पेज : 4

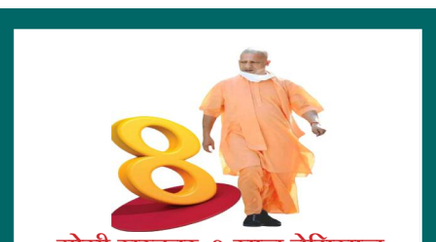

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

सबसे बड़ी खबर

भत्य खबर

RNI No.- DELHIN/2016/68043

नई दिल्ली संस्करण, नई दिल्ली, मंगलवार, 25 मार्च 2025, वर्ष : 8, अंक : 359 पृष्ठ : 08, मूल्य : 02 रुपया

नई दिल्ली से प्रकाशित व दिल्ली, एनसीआर, यूपी, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखण्ड, महाराष्ट्र, गुजरात में प्रसारित

14 अप्रैल को हरियाणा की धरा पर आएंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत रत्न बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती के राज्य स्तरीय समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दीनबंधु चौधरी छोटू राम थर्मल पावर प्लांट यमुनानगर की नई 800 मेगावाट इकाई की आधारशिला रखेंगे। यह पावर प्लांट 7272 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महाराजा अग्रसेन हिसार एयरपोर्ट से हवाई सेवाओं का भी उद्घाटन करेंगे। यमुनानगर की यह परियोजना दीनबंधु चौधरी छोटू राम थर्मल पावर प्लांट परियोजना में मौजूदा 2300 मेगावाट संयंत्र का विस्तार है। इस परियोजना को पूरा करने के लिए 52 महीने का समय निर्धारित किया गया है जबकि 48 महीने के भीतर इसका वाणिज्यिक संचालन शुरू हो जाएगा। यह इकाई हरियाणा की घरेलू ऊर्जा उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर 3382 मेगावाट कर देगी। हिसार क्षेत्र में एकीकृत विमान हब बनाया जा रहा है।

देश की शिक्षा व्यवस्था को खत्म करने में लगा है आरएसएस, इसे हमें मिलकर रोकना होगा: राहुल

राहुल गांधी ने कहा कि सभी यूनिवर्सिटी में आरआरएस के वाइस चांसलर हैं।

प्रदर्शन में एनएसयूआई, एआईएसए, एसएफआई और समाजवादी छात्रसभा समेत लेफ्ट छात्र संगठन भी शामिल हुए। वहीं इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि सभी यूनिवर्सिटी में आरआरएस के वाइस चांसलर हैं।

नई दिल्ली (एजेंसी): नई शिक्षा नीति के खिलाफ जंतर-मंतर पर हजारों की संख्या में इंडिया गठबंधन छात्र संगठन पहुंच है। प्रदर्शनकारी हाथों में बैनर लेकर पहुंचे जहां उन्होंने केन्द्र सरकार के खिलाफ नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने नई शिक्षा नीति को वापस लेने सहित कई चीजों की मांग की है। प्रदर्शन में एनएसयूआई, एआईएसए, एसएफआई और समाजवादी छात्रसभा समेत लेफ्ट छात्र संगठन भी शामिल हुए। वहीं इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि सभी यूनिवर्सिटी में आरआरएस के वाइस चांसलर हैं। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी के नेतृत्व में इंडिया अलायंस छात्र संगठन एनईपी 2020, जंतर मंतर पर यूजीसी ड्राफ्ट नियमों और पेपर लीक के खिलाफ संसद मार्च का आयोजन कर रहे हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी

मार्च में शामिल हुए व छात्र संगठनों को को संबोधित किया। दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर पर एनईपी 2020, यूजीसी ड्राफ्ट नियमों और पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को बड़ा बयान दिया। राहुल ने आरएसएस पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर आरएसएस शिक्षा व्यवस्था पर पूरा नियंत्रण कर ले तो देश बर्बाद हो जाएगा। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि इंडिया ब्लॉक के घटकों की विचारधाराओं और नीतियों में कुछ मामूली मतभेद हो सकते हैं, लेकिन वे देश की शिक्षा व्यवस्था पर कभी समझौता नहीं कर सकते। राहुल गांधी ने आगे कहा कि एक संगठन देश के भविष्य और शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद करना चाहता है। उस संगठन का नाम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ है। अगर शिक्षा व्यवस्था उनके हाथों में चली गई, जो वास्तव में धीरे-धीरे हो रहा है, तो यह देश बर्बाद हो जाएगा। किसी को नौकरी नहीं मिलेगी और देश खत्म हो जाएगा। राहुल गांधी ने शिक्षा नीति के खिलाफ आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान कहा कि छात्र संगठनों को छात्रों को बताना चाहिए कि भारतीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों पर आरएसएस का दबदबा है। आने वाले समय में राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति आरएसएस की सिफारिश पर होगी। हमें इसे रोकना होगा। विपक्ष के नेता ने यहां लोगों को याद दिलाया कि पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में महाकुंभ पर टिप्पणी की थी और कहा था कि प्रधानमंत्री को बेरोजगारी और महंगाई के बारे में भी बोलना चाहिए था। जंतर-मंतर पर आयोजित विरोध प्रदर्शन में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बेरोजगारी, महंगाई और शिक्षा व्यवस्था के बारे में एक शब्द भी नहीं बोलते हैं। उनका मॉडल सभी संसाधनों को अडानी और अंबानी को सौंपना और संस्थानों को आरएसएस को सौंपना है। आप भारतीय ब्लॉक के छात्र हैं, हमारी विचारधाराओं और नीतियों में कुछ मतभेद हो सकते हैं, लेकिन हम देश की शिक्षा व्यवस्था से कभी समझौता नहीं कर सकते। हम इस लड़ाई को मिलकर लड़ेंगे और आरएसएस को पीछे धकेलेंगे।

2025 तक भारत को टीबी मुक्त करने का लक्ष्य, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने की अपील; मेघालय ने उठाया बड़ा कदम

नई दिल्ली (एजेंसी): राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने लोगों से भारत को क्षयरोग मुक्त बनाने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया। इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में गुजरात सबसे आगे चल रहा है। जबकि मेघालय सरकार ने राज्य के 4500 क्षय रोग के मरीजों को गोद ले लिया है, ताकि सौ दिन के सघन अभियान में भारत को टीबी-मुक्त बनाया जाए। विश्व क्षय रोग (टीबी) दिवस के लिए दिए अपने संदेश में राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि इस दिन का उद्देश्य जनता को क्षयरोग के वैश्विक प्रभाव के बारे में जागरूक करना, बीमारी को नियंत्रित करने संबंधी चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और इसे रोकने के प्रयासों का समर्थन करना है। राष्ट्रपति ने की अपील राष्ट्रपति ने कहा, 'यह दिन हमें क्षय रोग की शीघ्र पहचान, उपचार

और रोकथाम के महत्व की भी याद दिलाता है। मैं सभी से भारत को क्षयरोग मुक्त बनाने के लिए मिलकर काम करने और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी प्रयास करने का आह्वान करती हूं।' विश्व क्षय रोग दिवस हर साल 24 मार्च को क्षयरोग पर जन जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। डॉ. राबर्ट कोच ने 1882 में इसी दिन क्षयरोग का कारण बनने वाले जीवाणु की खोज की थी। इसी तरह, गुजरात ने नीति आयोग के टीबी के खात्मे के लक्ष्य को 95 प्रतिशत तक हासिल कर लिया है। वह इस लक्ष्य को साधने में अव्वल प्रदेश रहा है। 2025 तक खत्म करने का लक्ष्य पीएम मोदी ने भारत में ट्यूबरकुलोसिस को वर्ष 2025 तक खत्म करने का लक्ष्य रखा है। वहीं, भारत सरकार ने सितंबर, 2022 में 'निक्षय मित्र' कार्यक्रम के तहत निजी स्तर पर, निजी संगठनों और सिविल सोसाइटी की मदद से ऐसे मरीजों को अंगीकार करना शुरू किया ताकि मरीजों को अतिरिक्त पोषण और इलाज के दौरान उचित देखभाल मिल सके। लिहाजा, मेघालय ने टीबी के मरीजों का 'यूनिवर्सल निक्षय मित्र' बनकर राज्य के सभी टीबी मरीजों को अंगीकार कर लिया है। इसीतरह मेघालय के ईस्ट खासी हिल्स में 33 वर्षीय रिडालिन शुलाई टीबी (एमडीआर-टीबी) से अपनी लड़ाई जीत चुकी हैं और स्वस्थ हैं। बीमारी की गंभीरता के कारण उनका बाईं तरफ का फेफड़ा बेकार हो चुका था। लेकिन अब वह केवल दाईं ओर के फेफड़े के दम पर जीवित हैं।

किसानों को क्यों नहीं मिल रहा लोन? वित्त मंत्री ने लोकसभा में बताई पूरी बात

नई दिल्ली (एजेंसी): देश के कुछ हिस्सों में सरकारी बैंकों की तरफ से कम सिबिल स्कोर वाले किसानों को कर्ज देने से इनकार किए जाने का मुद्दा संसद में भी उठ गया है। इस बारे में एक लिखित सवाल वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से पूछा गया था। हालांकि, सीतारमण ने सोमवार (24 मार्च) को जब सवाल का कोई स्पष्ट जवाब देने के बजाय यह बताया कि सरकार कितनी आसानी से कृषि क्षेत्र को कर्ज मुहैया करा रही है और बगैर बंधक के कृषि कर्ज की सीमा कितनी बढ़ा दी गई है। पिछले वर्ष महाराष्ट्र विधान सभा से पहले वहां किसानों को खराब सिबिल स्कोर के आधार पर कर्ज नहीं देने का मुद्दा काफी चर्चा में रहा था। तब महाराष्ट्र सरकार ने बैंकों को धमकी दी थी कि अगर

उन्होंने खराब सिबिल स्कोर पर खेती के लिए कर्ज देने से इनकार किया तो उनके खिलाफ एफआईआर किया जाएगा। बहरहाल, लोकसभा में एक सवाल पूछा गया था कि क्या कम सिबिल स्कोर की वजह से किसानों को कर्ज नहीं दिये जा रहे? क्या सरकार ने इसकी जांच करवाई है और इसका विस्तार से उल्लेख क्या है? क्या पुराना कर्ज नहीं चुकाने वाले किसानों को नए कर्ज लेने में समस्या का सामना करना पड़ रहा है? वित्त मंत्री सीतारमण ने जो जवाब दिया है उसमें इसका कोई जिक्र नहीं है कि सरकार को उक्त मुद्दे के बारे में पता है या नहीं। अगर पता है तो उसकी जांच करवाई गई है या नहीं। जवाब में एक विस्तृत टिप्पणी दी गई है। जिसमें सिबिल को लेकर बैंकों को क्या निर्देश दिये गये हैं, इसका जिक्र है। इसमें बताया गया है कि बैंकों को अधिकार है कि वह कर्ज देने से संबंधी सूचना देने वाली कंपनियों से प्राप्त डाटा के आधार पर कर्ज देने का फैसला कर सकते हैं। तीन लाख तक के लोन बिना किसी प्रोसेसिंग चार्ज के मिलेंगे वित्त मंत्री ने बताया है कि ग्राहकों की ऋण सूचना रिपोर्ट (सीआईआर) कंपनियां ग्राहकों के पुराने कर्ज देने के रिकार्ड के आधार पर तैयार करती हैं। इसके बाद उन्होंने बताया है कि कैसे केंद्र सरकार ने चार फरवरी, 2019 को सभी बैंकों को यह सुझाव दिया था कि वह किसानों को दिए जाने वाले तीन लाख रुपये तक के कर्ज के लिए कोई प्रोसेसिंग शुल्क या सेवा शुल्क नहीं ले।

'आप सरकार के बीते कार्यकाल पर लाएंगे श्वेत पत्र', बजट सत्र में बोलीं दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी): दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को घोषणा की कि उनकी सरकार राष्ट्रीय राजधानी में पिछली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के कार्यकाल पर "श्वेत पत्र" पेश करेगी। सीएम गुप्ता ने सीएजी रिपोर्ट पेश की उन्होंने विधानसभा में दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट पर चर्चा के दौरान यह बात कही। आठवीं दिल्ली विधानसभा का पहला बजट सत्र चल रहा है। इससे पहले दिन में गुप्ता ने सीएजी रिपोर्ट पेश की, जिसमें डीटीसी के वित्तीय और परिचालन पहलुओं पर प्रकाश डालने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी कहा कि आर्थिक सर्वेक्षण जल्द ही पेश किया जाएगा, क्योंकि विभिन्न विभागों में ऑडिट अभी भी जारी है। वित्त विभाग की भी जिम्मेदारी संभाल रहीं गुप्ता मंगलवार को दिल्ली में 26 साल से अधिक समय में भाजपा

सरकार का पहला बजट पेश करेंगी।बता दें कि विधानसभा चुनावों में आप को हराने के बाद पिछले महीने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राजधानी में सत्ता में लौटी है। पांच दिवसीय बजट सत्र सोमवार सुबह पारंपरिक "खीर" समारोह के साथ शुरू हुआ। उल्लेखनीय है कि दिल्ली विधानसभा में बजट सत्र के पहले दिन आप विधायकों ने स्पीकर विजेंद्र गुप्ता द्वारा नियम 280 के तहत चर्चा के दौरान उनके एक विधायक का नाम न लेने के फैसले का विरोध करते हुए सदन से वॉकआउट कर दिया। आप विधायकों ने किया विरोध उन्होंने मामले की पुनरावृत्ति का हवाला दिया। नियम 280 के तहत विधायकों को अपने निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित मुद्दे उठाने की अनुमति है। हालांकि, जब स्पीकर ने आप विधायक की बात को नजरअंदाज किया तो विपक्ष की नेता आतिशी के नेतृत्व में पार्टी के अन्य विधायकों ने विधानसभा से वॉकआउट करने से पहले विरोध में आवाज उठाई।

हरियाणा स्थानीय निकायों में 1400 करोड़ का घोटाला? नहीं मिला खर्च का हिसाब; कमेटी ने नायब सरकार को भेजी रिपोर्ट

चंडीगढ़ (एजेंसी): हरियाणा में 10 नगर निगमों सहित कुल 62 स्थानीय निकायों में विकास कार्यों के लिए अग्रिम लिए गए करीब 1400 करोड़ रुपये का हिसाब नहीं मिल रहा है। विधानसभा कमेटी ने वर्ष 2019-20 की ऑडिट रिपोर्ट पर सवाल उठाते हुए घोटाले की आशंका जताई है। साथ ही सरकार से पांच साल पहले हुई वित्तीय अनियमितताओं की जांच कराने और दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की सिफारिश की है। जिन नगर निगमों में विकास कार्यों के लिए जारी अग्रिम राशि के दुरुपयोग की आशंका है, उनमें गुरुग्राम, सोनीपत, हिसार, पंचकूला, पानीपत, यमुनानगर, रोहतक, करनाल, फरीदाबाद और अंबाला शामिल हैं। इनमें से पंचकूला को छोड़कर सभी निगमों के आम चुनाव हाल ही में हुए हैं। सभी मेयरों, नगर पालिका और परिषद अध्यक्षों और वार्ड सदस्यों को आज मंगलवार को पंचकूला में आयोजित कार्यक्रम में शपथ दिलाई जाएगी। विकास कार्य के लिए पहले दी गई थी राशि दरअसल, स्थानीय निकायों में कई विकास कार्य

ऐसे होते हैं, जिन्हें तुरंत कराना जरूरी होता है। इन कार्यों के लिए विकास राशि पहले जारी कर दी जाती है और फिर काम पूरा होने के बाद संबंधित अधिकारी खर्च का हिसाब संबंधित निकाय की लेखा शाखा को भेज देते हैं। हाल ही में विधानसभा की शहरी स्थानीय निकाय एवं पंचायती राज संस्था की कमेटी के आगे ऑडिट रिपोर्ट रखी गई तो वित्तीय अनियमितताएं सामने आईं। नियमानुसार निकायों में होने वाले खर्च का इंटरनल ऑडिट होता है। आपत्तियों को दूर करने के लिए अधिकारियों को भेजा जाता है, जिसके बाद एडवांस लेने वाला अधिकारी सबूत जमा कराता है। संबंधित अधिकारियों को यह रिपोर्ट भी भेजी गई, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। इस वजह से यह रकम अभी भी ऑडिट रिपोर्ट में अनएडजस्टेड एडवांस के तौर पर दिख रही है। सबसे ज्यादा फरीदाबाद और गुरुग्राम में अनियमितताएं ऑडिट रिपोर्ट के मुताबिक कुल 1396 करोड़ रुपये के एडवांस का हिसाब नहीं मिला है। इनमें सबसे ज्यादा फरीदाबाद नगर निगम में 782 करोड़ रुपये और गुरुग्राम नगर निगम में 404 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का रिकॉर्ड नहीं मिल पा रहा। विधानसभा डिप्टी स्पीकर कृष्ण मिढा की अगुआई वाली विधानसभा कमेटी ने सरकार को भेजी रिपोर्ट में कहा है कि 62 निकायों में इतनी बड़ी राशि को खर्च करने का कोई रिकॉर्ड ही मौजूद नहीं है। इसमें बड़ा घोटाला नजर आता है। बड़ी संख्या में ऑडिट ऑब्जेक्शन पेंडिंग हैं, जिनमें प्रापर्टी टैक्स और एनओसी शामिल हैं। इस बारे में अधिकारियों से पहले भी जानकारी मांगी गई थी, लेकिन आपत्तियों को दूर नहीं किया गया। इनका टाइम बाउंड निपटारा होना चाहिए। ऐसा न करने पर मुख्य कार्यकारी अधिकारियों की जवाबदेही भी तय की जा सकती है।

सांसदों की बढ़ गई सैलरी, पेंशन और भत्ते में भी इजाफा; जानिए कितना मिलेगा

केंद्र सरकार ने सांसदों के वेतन और भत्तों में बढ़ोत्तरी की है। इसको लेकर अधिसूचना भी जारी कर दी गई। सबसे खास बात है कि यह बढ़ोत्तरी 1 अप्रैल 2023 से प्रभावी रहेगी। वेतन और भत्तों में इजाफा के बाद सांसदों को अब 124000 रुपये मिलेंगे। इससे पहले सांसदों को 1 लाख रुपये मिलते थे। पूर्व सांसदों की पेंशन को 25 हजार से बढ़ाकर 31 हजार कर दिया गया है।

नई दिल्ली (एजेंसी): केंद्र सरकार ने सांसदों के वेतन और भत्तों में बढ़ोत्तरी की है। इसके साथ ही पूर्व सांसदों के पेंशन में भी बढ़ोत्तरी हुई है। सबसे खास बात है कि यह बढ़ोत्तरी 1 अप्रैल 2023 से प्रभावी रहेगी। वेतन और भत्तों में इजाफा के बाद सांसदों को अब 1,24,000 रुपये मिलेंगे। इससे पहले सांसदों को 1 लाख रुपये मिलते थे। वहीं, अब सांसदों का दैनिक भत्ता बढ़ाकर दो हजार से ढाई हजार कर दिया गया है। पूर्व सांसदों की पेंशन को 25 हजार से बढ़ाकर 31 हजार कर दिया गया है। बता दें कि ये बढ़ोत्तरी सांसद सदस्यों के वेतन, भत्ते और पेंशन अधिनियम, 1954 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के तहत की गई है। पांच साल बाद सांसदों की सैलरी बढ़ाने का फैसला सरकार ने लिया है। केंद्र सरकार ने जारी की अधिसूचना संसदीय कार्य मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी राजपत्र अधिसूचना में कहा गया कि पांच साल से अधिक की सेवा के प्रत्येक वर्ष के लिए अतिरिक्त पेंशन को 2,000 रुपये से बढ़ाकर 2,500 रुपये कर दिया गया है। संसद के चल रहे बजट सत्र के बीच सांसदों के वेतन, भत्ते और पेंशन में संशोधन की घोषणा की गई है। मौजूदा और पूर्व सांसदों को दिए जाने वाले वेतन और भत्ते में पहले का संशोधन अप्रैल 2018 में घोषित किया गया था। 2018 में संशोधन में

एक सांसद के लिए घोषित आधार वेतन 1,00,000 रुपये प्रति माह था। इस राशि को निर्धारित करने का उद्देश्य उनके वेतन को मुद्रास्फीति की दरों और जीवन यापन की बढ़ती लागत के अनुरूप लाना था। वहीं, 2018 के संशोधन के अनुसार, सांसदों को अपने कार्यालयों को अद्यतन रखने और अपने संबंधित जिलों में मतदाताओं के साथ बातचीत करने की लागत का भुगतान करने के लिए निर्वाचन क्षेत्र भत्ते के रूप में 70,000 रुपये का भत्ता मिलता है। जानकारी दें कि सांसदों को कार्यालय भत्ता के रूप में 60,000 रुपये प्रतिमाह और संसदीय सत्रों के दौरान 2,000 रुपये दैनिक भत्ता मिलता है। अब इन भत्तों में भी बढ़ोत्तरी की जानी है। इसके अलावा सांसदों को फोन और इंटरनेट के इस्तेमाल के लिए सालाना भत्ता भी मिलता है। सांसद अपने और परिवार के साथ साल भर में कुल 34 फ्री उड़ान भर सकते हैं। इसके साथ ही व्यक्तिगत उपयोग के लिए किसी भी समय प्रथम श्रेणी की ट्रेन यात्रा कर सकते हैं। मुफ्त बिजली का भी प्रावधान इतना ही नहीं सांसदों को सालाना 50,000 यूनिट मुफ्त बिजली और 4,000 किलोलीटर पानी का लाभ भी मिलता है। सरकार उनके आवास और ठहरने की व्यवस्था भी करती है। अपने पांच साल के कार्यकाल के दौरान सांसदों को नई दिल्ली में किराए-मुक्त आवास प्रदान किया जाता है। उन्हें उनकी वरिष्ठता के आधार पर छात्रावास के कमरे, अपार्टमेंट या बंगले मिल सकते हैं। जो व्यक्ति आधिकारिक आवास का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, वे मासिक आवास भत्ता प्राप्त करने के पात्र हैं।

आम आदमी का न्यायालय के प्रति विश्वास कायम रहे

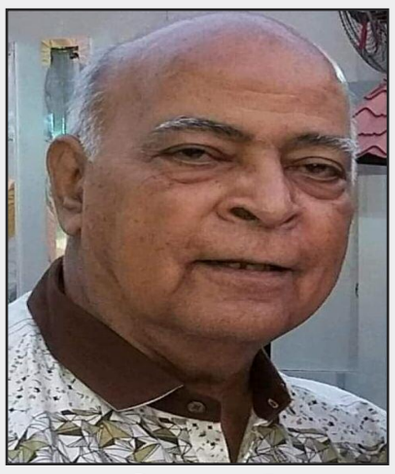

अशोक भाटिया

दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के आवास पर कैश मिलने के मामले में उन्होंने टिप्पणी करने से इंकार करते हुए कहा कि जिम्मेदार नागरिक के तौर पर इस पर बोलना उचित नहीं होगा। पर न्यायाधीश यशवंत वर्मा के बंगले से 15 करोड़ रुपये नकद पाए जाने की खबरों ने पूरे देश में हलचल मचा दी। एकमात्र भरोसा जो न्यायपालिका में था और वह भी पूरी तरह से कमजोर हो गया है।

कपिल सिबल ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में न्यायिक प्रणाली की खामियों के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि न्यायिक प्रणाली में लोगों का भरोसा मक हो रहा है। हालांकि दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के आवास पर कैश मिलने के मामले में उन्होंने टिप्पणी करने से इंकार करते हुए कहा कि जिम्मेदार नागरिक के तौर पर इस पर बोलना उचित नहीं होगा। पर न्यायाधीश यशवंत वर्मा के बंगले से 15 करोड़ रुपये नकद पाए जाने की खबरों ने पूरे देश में हलचल मचा दी। एकमात्र भरोसा जो न्यायपालिका में था और वह भी पूरी तरह से कमजोर हो गया है। अतीत में न्यायाधीशों द्वारा नकद एकत्र करने और निर्णय पारित करने के कई उदाहरण हैं कि बदले में किसी को लाभ होगा। लेकिन इससे पता चलता है कि आम आदमी को पहले न्यायपालिका पर सिर्फ भरोसा था लेकिन अब वह भी नहीं है। दिल्ली में वर्मा के बंगले से नकदी मिली थी और पुलिस ने जब्त कर लिया था और अब सुप्रीम कोर्ट उसे अपने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में वापस भेजने का फैसला करेगा। पूरा फैसला अब प्रधान न्यायाधीश खन्ना के पास है और वह जल्द ही फैसला करेंगे कि वह वर्मा के खिलाफ क्या कार्रवाई करेंगे। गौरतलब है कि एक मुख्य न्यायाधीश पद छोड़ने के बाद किसी राज्य के राज्यपाल का पद संभालेगा, कोई अन्य व्यक्ति एक महिला कर्मचारी द्वारा उसके खिलाफ लगाए गए गंभीर आरोपों पर खुद का न्याय करेगा, और अपने पद से मुक्त होने के बाद, वह राज्यसभा में सदस्यता स्वीकार करेगा। एक न्यायाधीश खुले तौर पर धार्मिक रुख अपनाएगा और कोई अन्य व्यक्ति पद से इस्तीफा दे देगा और अगले दिन चुनावी मैदान में उतरेगा। एक अन्य महिला न्यायाधीश का कहना है कि किसी महिला के स्तनों को छूना और उसके कमर के कपड़े की नब्ज को छोड़ना बलात्कार का प्रयास नहीं है। सुप्रीम कोर्ट भी जज की बलात्कार की 'परिभाषा' को सबसे घृणित कृत्य के रूप में मानता है और न्यायाधीश का मनोबल गिराता है। और अब, न्याय के एक ही देवता की दिव्यता की एक श्रृंखला में, उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के घर के चारों ओर नकदी चलने का आरोप है, और न्यायपालिका उग्र आग को बुझाने के लिए एक ही रन शुरू करती है। यह हमारी वर्तमान न्यायिक प्रणाली की एक गंभीर तस्वीर है। कई लोग अधिक उदाहरण जोड़ने और उन्हें अधिक रोचक और रोचक बनाने के लिए ललचाएंगे। मसलन, निजी

इंजीनियरिंग कॉलेजों को लेकर अपने कार्यकाल के अंतिम दिन एक पूर्व मुख्य न्यायाधीश का फैसला। लेकिन अदालतों के बारे में चर्चा पर कानूनी बाधाओं के कारण इन या कई अन्य निर्णयों पर चर्चा नहीं की जाती है। फिर भी इसके बारे में जो कहा जाता है उससे न्यायपालिका के प्रति सम्मान नहीं बढ़ता है। महाशक्ति बनने का सपना देख रहे देश की व्यवस्थाओं के अनवरत पतन का यह न्यायिक यथार्थ किसी को भी आश्चर्य होगा कि जब देश की सभी नियामक व्यवस्थाएं अपनी गरिमा, अपनी निष्पक्षता और निष्पक्षता खो रही हैं, तो न्याय के देवता के वेश की पवित्रता कैसे बनी रहेगी। लेकिन पतन की यह यात्रा 'पहले दूसरी व्यवस्था और फिर न्याय प्रणाली' नहीं है। पहले न्यायपालिका अपनी मंजूरी देती है और फिर दूसरों को अस्वीकार करना शुरू होता है। न्यायपालिका नियामक का नियामक है। उदाहरण के लिए, चुनाव आयोग लोकतांत्रिक प्रक्रिया का नियामक है। लेकिन जब इसकी निष्पक्षता के बारे में सवाल उठता है, तो सुप्रीम कोर्ट से निर्णायक भूमिका निभाने की उम्मीद की जाती है। लेकिन इस महत्वपूर्ण क्षण में, सुप्रीम कोर्ट स्तब्ध है और चुनाव आयुक्तों की परंपरा शुरू होती है।राज्यपाल की नाम प्रणाली के बारे में भी यही कहा जा सकता है। दोनों प्रणालियों के नैतिक डाउनसाइड्स के उदाहरण दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे हैं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट को इन गिरोहों को रोकने के अपने अधिकार का इस्तेमाल करना चाहिए। क्योंकि तभी इस दैनिक अवमूल्यन से बचा जा सकेगा। लेकिन सुप्रीम कोर्ट इस पर अपने कर्तव्य के प्रति जागता नहीं दिख रहा है। इसका सीधा सा मतलब है कि जब न्यायपालिका कर्तव्य में लापरवाही के आरोपों से खुद को नहीं बचा सकती है, तो यह सार्वभौमिक विनाश और गिरावट की शुरूआत है। यदि किसी न्यायाधीश के घर में नोटों का ढेर पाया जाता है, तो यह इस गिरावट का एक स्पष्ट संकेतक है। न्याय का देवता खुद को इस गिरावट की जिम्मेदारी से नहीं बचा सकता। दुर्भाग्य से, ऐसा लगता है। इसलिए, इससे पहले कि हम वास्तव में यह पता लगा सकें कि न्यायाधीश के घर में वास्तव में इतनी नकदी मिली थी या नहीं, इस मामले से निपटने के लिए सर्वोच्च न्यायालय के प्रयास बेकार हैं, जिसमें कई मुद्दे शामिल हैं: सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस घटना को मीडिया द्वारा उजागर किया गया था, न्यायाधीश के घर में आग लग गई, और इसे बुझाने के प्रयासों में नकदी पकड़ी गई। ऐसा कहा जाता है। अब तो फायर ब्रिगेड भी इस बात से इनकार कर रही है कि ऐसा कुछ हुआ है और यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट को भी इसकी सत्यता पर संदेह है। अगर यह मान लिया जाए कि वे सच हैं, तो सवाल यह है कि क्या उच्च न्यायालय ने वास्तव में सोचा था कि न्यायाधीश से पूछताछ की जानी चाहिए? जिस स्थिति में सब कुछ ठीक चल रहा हो, किसी के चरित्र के बारे में कोई संदेह नहीं है, वहां जांच का आदेश नहीं दिया जाता है। यानी जांच इसलिए की गई क्योंकि दिल्ली उच्च न्यायालय को कुछ संदेह था। तब करेंसी नोटों का ये मामला सामने आया और फिर इस ट्रांसफर की सिफारिश और नोटों की खोज के बीच कोई संबंध नहीं था। यह बाद में कहा गया था। यह बचाव बहुत स्कूली है। न्यायपालिका से इस तरह के दमदार तर्क की उम्मीद नहीं की जाती है। इलाहाबाद बार काउंसिल द्वारा उठाया गया मुद्दा बचाव पक्ष के तर्कों के झूठ को दशार्ता है। क्या इलाहाबाद उच्च न्यायालय कूड़े का ढेर है? यह वकीलों के संघ का सवाल है। यह बहुत वैध है। क्योंकि अगर इस जज के कार्यों में कुछ भी गलत है, तो केवल स्थानांतरण इस पर पहली प्रतिक्रिया कैसे है? यह क्यों माना जाना चाहिए कि माननीय न्यायाधीश कथित नकदी को इकट्ठा करने की कोशिश नहीं करेंगे जो यह न्यायाधीश दिल्ली उच्च न्यायालय में रहते हुए जमा करने में सक्षम था? यह एक विभाग में भ्रष्टाचार के आरोपी मंत्री को पोर्टफोलियो बदलने के लिए छोड़ने जैसा है। वास्तव में, न्यायाधीशों की तुलना मंत्रियों से और सर्वोच्च न्यायालय की मुख्यमंत्री/प्रधानमंत्री से तुलना करने का समय राजनेताओं की पदोन्नति नहीं है। यह न्यायपालिका का पतन है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के सदस्यों ने कहा है कि अगर वर्मा का तबादला होता है तो न्यायपालिका की छवि खराब होगी क्योंकि चाहे वह न्यायपालिका हो या सरकार या कोई संस्था, उसका नाम और उसकी प्रतिष्ठा धारणा पर निर्भर करती है। यदि यह चला जाता है, तो इसे पुनर्प्राप्त नहीं किया जा सकता है चाहे कुछ भी किया जाए। न्यायपालिका में पारदर्शिता और जवाबदेही आवश्यक है और इसीलिए इस मुद्दे पर राज्यसभा में चर्चा की जाएगी। लेकिन सिर्फ मुद्दे पर चर्चा करने का कोई फायदा नहीं है। इसलिए यदि वे दोषी हैं, तो उन्हें दंडित किया जाना चाहिए और इस तरह देखा जाना चाहिए।

चाहे वह वर्मा हों या न्यायाधीश, साधारण अपराधी नहीं हैं, बल्कि न्यायिक प्रणाली में उच्च पदों पर काम करने वाले लोग हैं। उन्हें उचित रूप से दंडित किया जाना चाहिए। क्योंकि दिन के अंत में, सीजर को सबसे ऊपर होना चाहिए और उसका जीवन संदेह में होना चाहिए। यह न्याय प्रणाली में सीजर का काम है।

ऊपर उल्लिखित न्यायाधीश को स्थानांतरित करना गलत है, भले ही उनकी बेगुनाही साबित नहीं हुई हो। इसलिए सभी भारतीयों का कहना है कि उनके बारे में सही फैसला उनकी पर्याप्त बेगुनाही साबित करने के बाद ही लिया जाना चाहिए। क्योंकि न्यायपालिका सर्वश्रेष्ठ है और इस अवसर पर

संपादकीय

जांच की जरूरत

अमृता आर. पंडित

दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के सरकारी निवास से भारी मात्रा में नगदी प्राप्त होने के बाद देश के प्रधान न्यायाधीश ने कड़ा रुोख अपनाते हुए उनको न्यायिक कामकाज से अलग रखने को कहा। साथ ही इन अरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन कर दिया। जैसा कि जस्टिस वर्मा के घर होली वाले दिन लगी आग पर काबू पाने गए अग्निशमन कर्मचारियों को स्टोर-रूम में भारी नकदी मिली थी। इलाहाबाद बार एशोसिएशन ने इसे पंद्रह करोड़.रुोपये बताया। पुलिस के अनुसार दिल्ली हाई कोर्ट ने जस्टिस वर्मा से आग की घटना के दौरान की सभी कॉल्स को सुरक्षित रखने को कहा है। पिछले छह महीनों के उनके कॉल रिकार्ड.भी अदालत ने पुलिस से मांगे हैं। शीर्ष अदालत ने पुलिस द्वारा रिकॉर्ड.किए गए वीड़ियो, तस्वीरें व शुरूआती जांच रिपोर्ट सार्वजनिक कर दी। जस्टिस यशवंत का दावा है कि उन्होंने खुद या उनके परिवार ने कभी नकदी नहीं रखी, यह उनके खिलाफ साजिश है। खबरों के अनुसार उनके आवास में मौजूद सुरक्षाकर्मी ने माना कि अग्निकांड़ की अगली सुबह कुछ अधजली चीजों को वहां से हटाया गया। जो मामले को और भी संदिग्ध बना रहा है। उनके निवास में लगे सभी सीसीटीवी रिकॉर्ड.को सुरक्षित रखना भी जरूरी है। न्याय की कुर्सी पर बैठे शख्स से बेदाग होने की उम्मीद बेमानी नहीं कही जा सकती। सबसे बड़ी अदालत ने 1999 में इन-हाउस कमेटी का गठन किया था, जिसमें तीन जजों की कमेटी हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के जज के खिलाफ हुई शिकायतों की जांच करती है। सोशल मीड़िया पर लोगों ने इस जली हुई राशि व जज का सिर्फ तबादला किये जाने पर काफी रोष व्यक्त किया था, जो न्याय-व्यवस्था पर सीधा प्रहार था। निःसंदेह निष्पक्ष जांच द्वारा ही दूध का दूध-पानी का पानी किया जा सकता है। जज के बेकसूर पाए जाने के बाद भी जरूरी है, साजिश की गहराई से पड़ताल की जाए। दोषी पाए जाने पर कमेटी इस्तीफे की मांग भी कर सकती है। न्यायपालिका की निष्पक्षता को अक्षुण्य बनाये रखने के हर संभव प्रयास जरूरी हैं।

टीबी के खिलाफ तेज करनी होगी जंग

भारत काफी लंबे समय से टीबी नामक बिमारी से जंग लड़ रहा है। लेकिन अब टीबी को लेकर एक डरावनी स्टडी सामने आई है। जर्नल प्लस मेडिसीन की स्टडी के मुताबिक भारत में अनुमान है कि 2021 से 2040 तक टीबी के 6 करोड़ केस और 80 लाख मौतें हो सकती है। स्टडी के मुताबिक भारत को इस बिमारी के चलते न सिर्फ जान का नुकसान होगा बल्कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को 146 अरब डॉलर से अधिक का नुकसान होने की संभावना है। लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन यूके के रिसर्चर ने कहा कि इसके चलते कम आय वाले मिडिल क्लास परिवार ज्यादा संकट में है। उनको स्वास्थ्य संबंधी बोझ झेलना पड़ सकता है। जबकि अमीर परिवारों को आर्थिक बोझ झेलना पड़ सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने वैश्विक क्षय रोग (टीबी) रिपोर्ट 2024 जारी किया है। जिसमें 2024 में दुनिया की 99 प्रतिशत से अधिक आबादी और टीबी के मामलों वाले 193 देशों के डाटा की रिपोर्ट को शामिल किया गया है। यह रिपोर्ट वैश्विक, क्षेत्रीय और देश स्तर पर टीबी महामारी एवं रोग की रोकथाम, निदान और उपचार में प्रगति का व्यापक व अद्यतन मूल्यांकन प्रदान करती है। रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष के अनुसार 2023 में भारत में लगभग 25.2 लाख टीबी के मामले सामने आये थे। जो 2022 में 24.2 लाख मामलों से अधिक थे। भारत और

इंडोनेशिया में वर्ष 2021 से 2023 तक टीबी के वैश्विक मामलों में कुल वृद्धि 45 प्रतिशत थी। दुनिया के पांच देश भारत, इंडोनेशिया चीन, फिलीपींस, पाकिस्तान में टीबी के कुल वैश्विक मरीजो के 56 प्रतिशत थे। भारत में वर्ष 2015 से 2023 के मध्य टीबी के मामलों में 18 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। यह विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा वर्ष 2025 तक 50 प्रतिशत कमी के लक्ष्य से बहुत कम है। इसी प्रकार टीबी से संबंधित मौतों में 75प्रतिशत के लक्ष्य के मुकाबले केवल 24 प्रतिशत की कमी आई है। वैश्विक स्तर पर 2023 में 82 लाख लोगों में टीबी के नए मामलें देखे गए। यह वर्ष 1995 में डब्ल्यूएचओ द्वारा निगरानी शुरू करने के बाद से सबसे अधिक संख्या है। 2023 में टीबी कोविड-19 को पीछे छोड़ते हुए पुनः प्रमुख संक्रामक रोग बन गया है। टीबी एक संक्रामक बीमारी है। जो संक्रमित लोगों के खांसने, छींकने या थूकने से फैलती है। यह आमतौर पर फेफड़ों को प्रभावित करती है। 2024 में 290 नक्सलियों को मार गिराया गया था। 2004 से 2014 के दौरान नक्सली हिंसा की कुल 16,463 घटनाएं हुई थीं। अब मोदी सरकारा के कार्यकाल में 2014-24 के बीच नक्सली हिंसा की संख्या 53 फीसद घटकर 7,444 रह गई है। इन आंकड़ों को देखकर लगता है कि गृह मंत्री अमित शाह 31 मार्च, 2026 तक देश से नक्सलवाद को खत्म करने का अपना संकल्प पूरा कर लेंगे। विश्व में भारत पर टीबी का बोझ सबसे अधिक है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में टीबी उन्मूलन को प्राथमिकता के तौर पर लिया गया है। इसका उद्देश्य टीबी के नए मामलों में 95 प्रतिशत की कमी करना और टीबी से मृत्यु में 95 प्रतिशत की कमी लाना है। देश में जिन टीबी रोगियों का इलाज चल रहा है उन्हें सरकार द्धारा 500 रुपए प्रतिमाह नगद सहायता के रूप में दिए जा रहें हैं। टी.बी माइक्रोबैक्टीरियम नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है। यह बैक्टीरिया फेफड़ों में उत्पन्न होकर उसमें घाव कर देते हैं। यह कीटाणु फेफड़ों, त्वचा, जोड़ों, मेरूदण्ड, कण्ठ, हड्डियों, अंतडियों आदि पर हमला कर सकते हैं। दुनिया में छह-सात करोड़ लोग इस बीमारी से ग्रस्त हैं और हर वर्ष 25 से 30 लाख लोगों की इससे मौत हो जाती है। संगठन का ऐसा अनुमान है कि ऐसे तकरीबन दस लाख और टीबी मरीज देश में है जिन्हें पहचाना ही नहीं जा सका है। भारत के गलत आंकड़ों की वजह से इस रोग का विश्वस्तरीय आकलन सही ढंग से नहीं हो पाया है। कई मानसिक बीमारियां टीबी का बड़ा कारण बनकर उभरी हैं। इस बीमारी को लेकर हमे नजरिया बदलने की जरूरत है। पोषण से मतलब संतुलित भोजन से माना जाना चाहिए। इसलिए यहां पर केवल टीबी का इलाज मुहैया करा भर देने से टीबी का खात्मा संभव नहीं है। यह तब मुमकिन होगा जबकि देश में लोगों को रोग प्रतिरोधक ताकत बनाए रखने के लिए संतुलित आहार भी मिले। कुछ वर्षों पूर्व तक टीबी की बीमारी को लाईलाज रोग माना जाता था। टीबी के मरीजो को घर से अलग रखा जाता था व उससे अछूत जैसा व्यवहार किया जाता था। मगर अब टीबी की बीमारी का देश में पर्याप्त उपचार व दवा उपलब्ध है। टीबी के रोगियों द्वारा नियमित दवा के सेवन से नो माह में ही टीबी का रोगी पूर्णतः स्वस्थ हो जाता है। सरकार को टीबी रोग की प्रभावी रोकथाम के लिये बजट में स्वास्थ्य सुविधओं के विस्तार के लिये और अधिक राशि का प्रावधान करना होगा। टीबी के प्रति लोगों को सचेत करने के लिये देश भर में टीबी जागरूकता कार्यक्रम चलाने होंगे। देश के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य केन्द्रो की संख्या बढ़ाकर ही टीबी पर काबू पाया जा सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक सरकार को इस क्षेत्र में एक ठोस अभियान शुरू करना होगा और साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इस जानलेवा बीमारी पर काबू पाने की राह में पैसों की कमी आड़े नहीं आए। यदि ऐसा नहीं हुआ तो इससे मरने वालों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी होगी। सरकार ने टीबी रोग को मिटाने के लिये जो प्रतिबद्धता जतायी है उस पर तुरन्त अमल करने की जरूरत है। विश्व क्षयरोग दिवस 2025 की थीम है हां हम टीबी को समाप्त कर सकते हैं। प्रतिबद्ध हों, निवेश करें, परिणाम दें। यह टीबी को समाप्त करने के लिए चल रहे प्रयासों पर विचार करने और स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत प्रतिबद्धता को प्रोत्साहित करने का अवसर प्रदान करता है। जिसमें दवा प्रतिरोधी टीबी के बढ़ते खतरे का मुकाबला करना भी शामिल है।

रमेश सर्राफ धमोरा
(लेखक, स्वतंत्र पत्रकार)

राजेश श्रीवास्तव

चिंतन-मनन

प्रार्थना की पुकार

यदि प्रार्थना सच्ची हो तो परमपिता परमेश्वर उस प्रार्थना को जरूर ही सुनते हैं। परमपिता परमेश्वर अत्यंत कृपालु और दयालु हैं, परंतु प्रार्थना के लिए भी हृदय का पवित्र और निर्मल होना अत्यंत आवश्यक है। मन का पवित्र होना, अहंकार और अभिमान से रहित होना नितांत आवश्यक है। ऐसे पवित्र-हृदय-अंतः करण से उत्पन्न हुए भाव ही प्रार्थना हैं। हृदय की पवित्रता का अर्थ है अपने आपको सांसारिक तुच्छ विषय-वासनाओं की आसक्तियों से मुक्त कर लेना। सब तरह की आसक्ति से रहित होना ही हृदय की पवित्रता है। किसी तपस्वी ने ठीक ही कहा है- सच्चे-वास्तविक जीवन को पाने की आकांक्षा उत्पन्न होना ही प्रार्थना है। हमारे भीतर हृदय में जिसकी खोज होगी, भीतर जिस चीज को पाने की प्यास होगी- तो, ही हम उस दिशा में जा सकेंगे। प्रार्थना होती है आत्म बोध से। आत्मबोध में ही परमार्थ की प्यास जगती है और तुच्छ स्वार्थी का परित्याग होता है।

प्रार्थना है- परिपूर्ण समर्पण, अपने अहंकार के बोझ को अपने सिर से उतार फेंकना और उसके पावन चरणों में अपना सिर झुका देना। जो प्रभु की कृपाएं और उनका अनुग्रह चाहता है उसे चाहिए कि वह किसी से भी किसी तरह का वैर-विरोध न करे। वह सत्य बोले, वह असत्य, छल-कपट, निंदा-चोरी आदि से हमेशा दूर रहे। अपनी इंद्रियों पर हमेशा संयम रखे, किसी भी प्रकार का लोलुप-लालची न हो। वह कभी अहंकार अभिमान न करे, शत्रु-द्वेष को छोडकर मन को शुद्ध पवित्र रखें। प्रार्थना की शक्ति बहुत ही अद्भूत है। वह भगवान को भक्त का उद्धार करने के लिए अवश्य ही बाध्य कर देती है, परंतु प्रार्थना सच्ची हो, हृदय से हो। भगवान ने प्रार्थना मीरा की सुनी, बुद्ध की सुनी, उन सबकी सुनी जिन्होंने परहित के लिए उन्हें याद किया। वह हर मानव मन में चल रहे भाव-कुभाव को अच्छी तरह से जानते हैं। अतः उसके समक्ष जब भी जाएं, शुद्ध भाव रखें।

"लोकतंत्र, मेंढक और अजगर महाराज"

कुएं के अंदर लोकतंत्र था। कम से कम मेंढक यही मानते थे। हर कुछ वर्षों में चुनाव होते, कोई न कोई मेंढक मुखिया बनता और फिर अगले चुनाव तक कुएं की राजनीति गर्म रहती। मेंढकों को पूरा यकीन था कि वे बहुत बुद्धिमान प्रजाति हैं और लोकतंत्र ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है।

लेकिन समस्या यह थी कि कुएं से बाहर की दुनिया कैसी है, इस बारे में किसी मेंढक को कुछ पता नहीं था। वे पीढ़ी-दर-पीढ़ी इसी कुएं में पले-बढ़े थे। बुजुर्ग मेंढक अपनी टर्र-टर्र वाली आवाज में बताते–"बाहर खतरनाक दुनिया है, वहीं रहो, सुरक्षित रहो!" लेकिन युवा मेंढकों के मन में उत्सुकता थी। वे बाहर जाना चाहते थे, दुनिया देखना चाहते थे, नए अवसर तलाशना चाहते थे।

एक दिन कुछ साहसी मेंढकों ने फैसला किया कि कुएं से बाहर निकलकर देखेंगे कि असली दुनिया कैसी है। काफी मशक्कत के बाद वे किसी तरह बाहर आए और जो देखा, उससे उनकी आंखें फटी की फटी रह गईं।

सामने एक अजगर पड़ा था–मोटा, सुस्त, मगर बेहद विशाल। उसकी आंखों में एक अजीब सी चमक थी, जैसे किसी भूखे इंसान को प्लेट में बटर चिकन दिख जाए।

मेंढकों ने सोचा–"वाह! कितना विशाल और शक्तिशाली है! अगर इसे राजी कर लिया जाए, तो इसकी पीठ पर बैठकर पूरी दुनिया घूम सकते हैं!"

तभी एक मेंढक जो राजनीति में दिलचस्पी रखता था, उसने अपनी जुबान चमकाई और बोला–"मित्रों, यह अजगर ही हमारा उद्धार कर सकता है! हमें इसे अपना नेता बनाना चाहिए!"

बाकी मेंढकों ने उसकी हां में हां मिलाई। वे अजगर के पास गए और बोले–"हे अजगर महाराज! आप तो महान हैं, हम आपके नेतृत्व में पूरी दुनिया देखना चाहते हैं। कृपया हमें अपनी पीठ पर बैठा लीजिए!"

अजगर के मन में एक ही विचार आया–"बैठे-बैठे भोजन का इंतजाम हो गया!"

लेकिन उसने चेहरे पर वही मीठी मुस्कान रखी, जो नेता चुनावी भाषणों में रखते हैं, और बोला–"मेंढक भाइयों, मैं सदैव जनता की सेवा के लिए तत्पर हूं! आओ, मेरी पीठ पर चढ़ जाओ, मैं तुम्हें उज्ज्वल भविष्य की सैर कराऊंगा!"

मेंढक खुशी-खुशी अजगर की पीठ पर चढ़ गए। अजगर धीरे-धीरे आगे बढ़ने लगा और मेंढकों को ऐसा लगने लगा कि अब उनका जीवन संवर गया। वे हवा में नारे लगाने लगे–"अजगर महाराज की जय! अब हमारा विकास निश्चित है!"

लेकिन कुछ ही दिनों में अजगर को भूख लग गई। उसने धीरे से अपना सिर घुमाया और सबसे आगे बैठे मेंढक को निगल लिया।

बाकी मेंढकों ने देखा, मगर कुछ नहीं कहा। ह्लकोई बात नहीं, ऐसे बड़े परिवर्तन में थोड़ी-बहुत कुबार्नी तो देनी ही पड़ती है!ह्व

अजगर रोज यही करता–सबसे आगे बैठे मेंढक को गटक जाता, और बाकी मेंढक यह सोचकर शांत रहते कि अभी तो हमारी सीट बची हुई है।

धीरे-धीरे, सारे मेंढक अजगर के पेट में समा गए। अंत में, जब आखिरी मेंढक भी खत्म हो गया, तो अजगर ने एक लंबी डकार ली, ऊंघते हुए आंखें खोलीं और गरजते हुए बोला–"लोकतंत्र ज़िंदाबाद!"

अब अगर आपको यह कहानी जानी-पहचानी लग रही है, तो कोई आश्चर्य नहीं। यही हर चुनाव में होता है–चाहे देश का हो या बार एसोसिएशन का। जनता हर बार एक नया अजगर चुनती है, सपनों के झांसे में आती है और उसकी पीठ पर बैठकर सोचती है कि अब उनका भविष्य बदलने वाला है। लेकिन सत्ता की भूख बड़ी विचित्र होती है–यह पहले गरीबों को खाती है, फिर किसानों को, फिर मज़दूरों को, फिर मध्यम वर्ग को, और सबसे अंत में वे लोग भी निगले जाते हैं, जो सबसे ऊंची सीट पर बैठे थे और सोच रहे थे कि "हमें क्या फर्क पड़ता है!"

बार एसोसिएशन के चुनावों में भी यही हाल होता है। अधिवक्ता अपने ही बीच से किसी को नेता चुनते हैं, यह सोचकर कि वह उनकी आवाज बनेगा, उनके हक की लड़ाई लड़ेगा, व्यवस्था सुधारेगा। लेकिन जैसे ही वह कुर्सी पर बैठता है, उसका पहला काम होता है–अपने सबसे करीबी समर्थकों को निगलना।

धीरे-धीरे, पद, ठेके, नियुक्तियां, और सत्ता का स्वाद उसे और भूखा बना देता है। वह अपने ही साथियों को कुचलता चला जाता है, और पीछे बैठे लोग तब तक ताली बजाते रहते हैं, जब तक अगला नंबर उनका नहीं आ जाता।

और जब आखिरी मेंढक भी खत्म हो जाता है, तब भी सत्ता में बैठे अजगर मुस्कुराकर कहते हैं–"हम जनता के लिए, वकीलों के लिए, देश के लिए समर्पित हैं!"

तो अगली बार जब आप वोट डालने जाएं, यह मत सोचिए कि आप अजगर की सवारी कर रहे हैं। सोचिए कि कहीं आप उसकी भूख का अगला शि-ाकार तो नहीं बनने वाले?

दिल्ली विधानसभा के बजट सत्र में हंगामा, आप विधायकों ने सदन से किया वॉकआउट

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में बजट सत्र के पहले दिन आप विधायकों ने स्पीकर विजेंद्र गुप्ता के नियम 280 के तहत चर्चा के दौरान अपने एक विधायक का नाम न लेउन्होंने मामले की पुनरावृत्ति का हवाला दिया। नियम 280 के तहत विधायकों को अपने निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित मुद्दे उठाने की अनुमति है। हालांकि, जब स्पीकर ने आप विधायक को नजरअंदाज किया, तो विपक्ष की नेता आतिशी के नेतृत्व में पार्टी के अन्य विधायकों ने विधानसभा से बाहर निकलने से पहले विरोध में आवाज उठाई। आप विधायकों की कार्रवाई को "रणनीतिक व्यवधान" करार देते हुए, स्पीकर ने विपक्षी सदस्यों को कार्रवाई करने के लिए मजबूर न करने की

चेतावनी दी। उन्होंने यह भी कहा, "कुछ समय में, सीएजी रिपोर्ट पेश की जाने वाली है। मुझे लगता है कि विपक्ष को यह पसंद नहीं है।" ने के फैसले का विरोध करते हुए वॉकआउट किया। बता दें कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार दिन में बाद में दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) पर नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट पेश करने वाली है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, जिनके पास वित्त मंत्रालय भी है, मंगलवार को 26 साल से ज्यादा समय में भाजपा सरकार का पहला बजट पेश करेंगी।

दिल्ली विधानसभा में बजट सत्र के पहले दिन आप विधायकों ने स्पीकर विजेंद्र गुप्ता द्वारा नियम 280 के तहत चर्चा के दौरान अपने एक विधायक का नाम न लेने के फैसले का विरोध करते हुए सदन से वॉकआउट कर दिया।उन्होंने मामले की पुनरावृति का हवाला दिया। नियम 280 के तहत विधायकों को अपने निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित मुद्दे उठाने की अनुमति है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने खुद खीर बनाई उल्लेखनीय है कि दिल्ली विधानसभा का पांच दिवसीय बजट सत्र सोमवार को 'खीर' समारोह के साथ शुरू हुआ। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने खुद खीर बनाई और फिर भगवान राम को भोग लगाया। इस दौरान बीजेपी नेताओं ने कहा कि "मिठास प्रगति का प्रतीक है"। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सदन में वित्त वर्ष 2025-26 का बजट 25 मार्च दिन मंगलवार को पेश करेंगी। विधानसभा में विकसित दिल्ली बजट के दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने खीर बनाया और मंत्री प्रवेश साहिब सिंह सहित अन्य नेताओं को खिलाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बजट में सहयोग करने वाले व्यापारी वर्ग, डॉक्टर, वकील,व अन्य वर्ग को के लोगों को भी अपने हाथ से खीर वितरित की।

उम्मीद है बीजेपी बजट सत्र में अपने वादे पूरे करेगी, आतिशी ने रेखा गुप्ता सरकार पर कसा तंज

नई दिल्ली। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और आप नेता आतिशी ने सोमवार को भाजपा नीत सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि महिलाओं को 2,500 रुपये की वित्तीय सहायता देने का वादा पूरा नहीं किया गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सत्तारूढ़ पार्टी आज (24 मार्च) से शुरू हो रहे बजट सत्र के दौरान अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करेगी। एएनआई से बात करते हुए विपक्ष की नेता ने कहा कि भाजपा ने चुनाव से पहले बहुत सारे वादे किए थे। हमें उम्मीद है कि इस बजट सत्र में वे वादे पूरे होंगे। आप नेता ने कहा कि पहला और सबसे महत्वपूर्ण वादा यह था कि दिल्ली की महिलाओं को 8 मार्च को 2,500 रुपये मिलेंगे। आज तक उस योजना का पंजीकरण भी शुरू नहीं हुआ है। यह स्पष्ट है कि पीएम मोदी ने झूठ बोला और दिल्ली के लोगों को धोखा दिया। उन्होंने कहा, "हमें उम्मीद है कि इस बजट में दिल्ली के लोगों के साथ विश्वासघात नहीं किया जाएगा।" आतिशी ने सीएजी रिपोर्ट पेश किए जाने के बारे में भी बात की और कहा, "वे इस मांग के साथ अदालत गए थे कि सीएजी रिपोर्ट विधानसभा में पेश की जाए। वे सभी रिपोर्ट क्यों नहीं पेश कर रहे हैं? सीएजी रिपोर्ट को एपिसोड में क्यों पेश किया जा रहा है? अगर स्पीकर के पास 14 सीएजी रिपोर्ट हैं, तो उन्हें तुरंत सभी पेश करनी चाहिए।दिल्ली विधानसभा सचिवालय ने पहले एक बयान में कहा कि डीटीसी के कामकाज पर तीसरी सीएजी रिपोर्ट भी सदन में पेश की जाएगी। इस बीच, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को दिल्ली विधानसभा में नवनिर्वाचित सरकार के उद्घाटन बजट सत्र से पहले औपचारिक 'खीर' तैयार की। वित्तीय कार्यवाही की एक अनूठी शुरूआत करते हुए, नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री ने बजट बनाने की प्रक्रिया में शामिल लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, "सभी नेताओं, मंत्रियों, विधायकों और लोगों को बहुत-बहुत बधाई जिन्होंने अपने सुझाव दिए, साथ ही हमारे नेतृत्व को भी, जिसके तहत हमने यह बजट तैयार किया है।"

पहले पुलिस पर तानी बंदूक,प्रशासन ने अपनाया ये तरीका, कई मामलों में वांछित भगोड़ा गिरफ्तार

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच की टीम ने मधु विहार थाने में दर्ज आर्म्स एक्ट के एक मामले में वांछित और अदालत द्वारा भगोड़ा घोषित एक अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान वजीराबाद निवासी अनीश उर्फ सोनू उर्फ पिल्ला के रूप में हुई है, जो दिल्ली के विभिन्न थानों में दर्ज कई आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। उसे पिछले साल 28 फरवरी को अदालत द्वारा भगोड़ा घोषित किया गया था।आरोपी वजीराबाद से गिरफ्तार डिप्टी कमिश्नर विक्रम सिंह के मुताबिक, एसआई देवेंद्र को गुप्त सूचना मिली थी कि आरोपी वजीराबाद इलाके में रह रहा है। सूचना के आधार पर एक टीम बनाई गई और 20 मार्च को छापेमारी के दौरान आरोपी अनीश को मेन रोड, लेन नंबर 8, वजीराबाद से गिरफ्तार कर लिया गया।भगोड़े से पूछताछ में पता चला कि 2012 में वह और रियाज किसी वारदात को अंजाम देने की नीयत से मंडावली-मधु विहार इलाके में घूम रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें घेर लिया। उस समय रियाज ने पुलिसकर्मियों पर बंदूक तान दी और भागने में कामयाब हो गया, जबकि अनीश को मौके पर ही पकड़ लिया गया। बाद में उसे उक्त मामले में जमानत पर रिहा कर दिया गया। लेकिन जमानत मिलने के बाद वह कोर्ट में पेश नहीं हुआ और फरार हो गया।

जस्टिस यशवंत वर्मा से न्यायिक कार्य वापस लिया गया, दिल्ली हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली। आवास पर नकदी मिलने के मामले में जांच का सामना कर रहे दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा से दिल्ली हाई कोर्ट ने न्यायिक कार्य वापस ले लिया है। सुप्रीम कोर्ट प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने जस्टिस वर्मा के विरुद्ध उच्च स्तरीय जांच का आदेश देते हुए उन्हें न्यायिक कार्य वापस लेने का दिल्ली हाई कोर्ट के जस्टिस वर्मा पर आगे की कार्रवाई दूसरे चरण की जांच से तय होगी। सीजेआई ने जस्टिस यशवंत वर्मा पर आरोपों की जांच के लिए 3 सदस्यीय पैनल गठित किया। वहीं, जस्टिस यशवंत वर्मा के आवास पर मिले कैश के मामले पर राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने बैठक बुलाई है।

मुख्य न्यायाधीश को आदेश दिया था। दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के सरकारी आवास में बेहिसाब नकदी मिलने के मामले में रोज नई-नई जानकारी सामने आ रही हैं। रविवार को तुगलक रोड स्थित उनके सरकारी आवास के बाहर 500-500 रुपये के कई जले हुए नोट पाए गए। ये नोट सूखे पत्तों के बीच मिले हैं। माना जा रहा है कि 14 मार्च की रात आग लगने की घटना के बाद स्टोर रूम की सफाई करने के बाद में एनडीएमसी के सफाईकर्मियों द्वारा नोटों को कूड़े के साथ आवास के बाहर फेंक दिया गया हो। इन नोटों को स्थानीय तुगलक रोड थाना पुलिस ने जब्त नहीं किया है। जले नोट अभी भी आवास के बाहर ही सूखे पत्तों के बीच पड़े हुए हैं। रविवार को जांच समिति के दो सदस्य दिल्ली में दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के डायरेक्टर अतुल गर्ग के आवास पर पहुंचे। कुछ घंटे बाद वे लोग चले गए। माना जा रहा है कि गर्ग से पूछताछ की गई व कुछ अहम दस्तावेज हासिल किए। हालांकि, अतुल गर्ग ने पूछताछ से इनकार किया है। दिल्ली हाईकोर्ट के एक जज के यहां करोड़ों रुपये के नोटों के बंडल मिलने पर आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद संजय सिंह ने न्यायपालिका की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा किया है।

आप सरकार के बीते कार्यकाल पर लाएंगे श्वेत पत्र, बजट सत्र में बोलीं दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को घोषणा की कि उनकी सरकार राष्ट्रीय राजधानी में पिछली आम आदमी पार्टी (अअउन्होंने विधानसभा में दिल्ली परिवहन निगम (आप) पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (आप) की रिपोर्ट पर चर्चा के दौरान यह बात कही। आठवीं दिल्ली विधानसभा का पहला बजट सत्र चल रहा है। इससे पहले दिन में गुप्ता ने सीएजी रिपोर्ट पेश की, जिसमें डीटीसी के वित्तीय और परिचालन पहलुओं पर प्रकाश डालने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी कहा कि आर्थिक सर्वेक्षण जल्द ही पेश किया जाएगा, क्योंकि विभिन्न विभागों में ऑडिट अभी भी जारी है।

वित्त विभाग की भी जिम्मेदारी संभाल रहीं गुप्ता मंगलवार को दिल्ली में 26 साल से अधिक समय में भाजपा सरकार का पहला बजट पेश करेंगी। सरकार के कार्यकाल पर "श्वेत पत्र" पेश करेगी। बता दें कि विधानसभा चुनावों में आप को हराने के बाद पिछले महीने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राजधानी में सत्ता में लौटी है। पांच दिवसीय बजट सत्र सोमवार सुबह पारंपरिक "खीर" समारोह के साथ शुरू हुआ। उल्लेखनीय है कि दिल्ली विधानसभा में बजट सत्र के पहले दिन आप विधायकों ने स्पीकर विजेंद्र गुप्ता द्वारा नियम 280 के तहत चर्चा के दौरान उनके एक विधायक का नाम न लेने के फैसले का विरोध करते हुए सदन से वॉकआउट कर दिया। उन्होंने मामले की पुनरावृत्ति का हवाला दिया। नियम 280 के तहत विधायकों को अपने निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित मुद्दे उठाने की अनुमति है। हालांकि, जब स्पीकर ने आप विधायक की बात को नजरअंदाज किया तो विपक्ष की नेता आतिशी के नेतृत्व में पार्टी के अन्य विधायकों ने विधानसभा से वॉकआउट करने से पहले विरोध में आवाज उठाई।

डीपफेक मामले की जांच रिपोर्ट तीन माह में सौंपे कमेटी, हाईकोर्ट ने दिए सख्त निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने डीपफेक मामले की जांच कर रिपोर्ट सौंपने के लिए केंद्र की ओर से गठित कमेटी को तीन महीने का समय दिया है। मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने कमेटी को मामले की जांच करते समय याचिकाकताओं के सुझावों पर भी विचार करने का निर्देश दिया है। अगली सुनवाई 21 जुलाई को होगी पीठ ने उम्मीद जताई है कि अगली तारीख तक कमेटी विचार-विमर्श पूरा कर अपनी रिपोर्ट सौंप देगी। मामले की अगली सुनवाई 21 जुलाई को होगी। अदालत देश में डीपफेक तकनीक के गैर-नियमन और इसके संभावित दुरुपयोग के खतरे के खिलाफ तीन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इस मामले से निपटने के लिए 20 नवंबर, 2024 को एक समिति के गठन की जानकारी दी थी। सोमवार को मंत्रालय के वकील ने मामले में स्थिति रिपोर्ट पेश की और कहा कि समिति की दो बैठकें हो चुकी हैं। साथ ही कहा कि समिति को इस मुद्दे पर और विचार-विमर्श करने की जरूरत है और एक व्यापक रिपोर्ट दाखिल करने के लिए तीन महीने का समय मांगा। पत्रकार रजत शर्मा द्वारा दायर याचिकाओं में से एक, देश में डीपफेक प्रौद्योगिकी के विनियमन और ऐसे ऐप्स और सॉफ्टवेयर तक लोगों की पहुंच को रोकने की मांग करती है जो इस तरह की सामग्री के निर्माण को सक्षम करते हैं, जबकि दूसरी, अधिवक्ता चैतन्य रोहिल्ला द्वारा, डीपफेक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अनियंत्रित उपयोग के खिलाफ है।

पूर्व न्यायाधीश उमेश कुमार ने संभाला डीईआरसी अध्यक्ष पद, दिल्ली के ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने दिलाई शपथ

नई दिल्ली। इलाहाबाद हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश उमेश कुमार दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग (डीईआरसी) के नए अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाल लिया है। दिल्ली के ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने सोमवार सुबह उन्हें पद व गोपनीयता की शपथ दिलाईपूर्व न्यायाधीश उमेश कुमार को जुलाई, 2023 में उपराज्यपाल की सिफारिश पर राष्ट्रपति ने डीईआरसी का अध्यक्ष नियुक्त किया था, लेकिन तत्कालीन आम आदमी पार्टी की सरकार ने उनकी नियुक्ति को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार और उपराज्यपाल को आपस में विवाद हल करने को कहा था। विवाद हल नहीं होने पर सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त, 2023 में सेवानिवृत्त न्यायाधीश जयंत नाथ को डीईआरसी का अंतरिम अध्यक्ष नियुक्त किया था। दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने के बाद उन्होंने पिछले माह अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। पिछले दिनों दिल्ली सरकार ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश उमेश कुमार की नियुक्ति की अनुमति दी थी। डीईआरसी राष्ट्रीय राजधानी के विद्युत नियामक के रूप में कार्य करता है, जो विद्युत दरों का निर्धारण करता है तथा दिल्ली की विद्युत वितरण कंपनियों और उत्पादन कंपनियों के संचालन के नियामक पहलुओं का निपटारा करता है। पिछले दो वर्षों से दिल्ली में बिजली की दरें घोषित नहीं हुई है। डीईआरसी के अध्यक्ष नियुक्त होने से बिजली की नई दरें घोषित होने की उम्मीद। 27 व 28 मार्च को इसे लेकर जनसुनवाई होगी।

50 हजार और बुजुर्गों को इसी साल से मिलने लगेगी वृद्धावस्था पेंशन, दिल्ली के मंत्री रविंद्र इंद्रराज ने किया दावा

नई दिल्ली। दिल्ली में 11 साल से बुजुर्गों की कोई नई पेंशन नहीं बनी है तो एससी/एसटी विभाग की ज्यादातर योजना बंद होने के कगार पर हैं। दिव्यांगों को पेंशन सहित कई समस्याओं के निदान में खासी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्हें दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाने तक के लिए भटकना पड़ता है। ऐसे में दिल्ली की नवविर्वाचित भाजपा सरकार के सामने चुनौतियां भी कम नहीं हैं। किस तरह इन चुनौतियों से निपटा जाएगा एवं कैसे समाज कल्याण की विभिन्न योजनाओं को सिरे चढ़ाया जाएगा। इसी तरह के सवालों को लेकर प्रमुख संवाददाता संजीव गुप्ता ने दिल्ली के समाज कल्याण, अनुसूचित जाति-जनजाति, सहकारिता और चुनाव मंत्री रविन्द्र इंद्रराज सिंह से लंबी बातचीत की। प्रस्तुत हैं बातचीत के मुख्य अंशः दिल्ली में 11 साल से समाज कल्याण के क्षेत्र में कोई उल्लेखनीय काम नहीं हुआ। केंद्र सरकार की योजनाएं लागू नहीं की गईं जबकि पहले से चली आ रही पुरानी योजनाओं पर गंभीरता से काम नहीं किया गया। ऐसे में हमारी प्राथमिकता समाज कल्याण के क्षेत्र में हर वो काम करने की रहेगी, जो जरूरी है। नई पेंशन बनाई जाएंगी एवं संकल्प पत्र में किए गए वादे के अनुसार 500- 500 रुपये की वृद्धि भी जल्द की जाएगी। 60 से 70 साल तक 2000 की तरह 2500 मिलेंगे और 70 साल के बाद 2500 की जगह 3000 रुपये मिलेंगे। कोशिश है कि इसी साल कम से कम 50 हजार और बुजुर्गों को पेंशन मिलने लगे। इसके अलावा केंद्र सरकार की सभी योजनाएं भी दिल्ली में लागू की जाएंगी। इस दिशा में काम शुरू हो चुका है। अभी हमारी सरकार बने हुए माह भर ही हुआ है, लेकिन हमने लंबित आवेदनों में से करीब 10 हजार पेंशन बना भी दी हैं। पेंशन राशि में वृद्धि की घोषणा भी बहुत जल्द कर दिए जाने की उम्मीद है। डॉ. अंबेडकर मेडिकल एड योजना - अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लोगों का बेहतर उपचार करने में मददगार होगी। जिसका लाभ लोगों को मिलेगा। प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं को उच्च स्तर तक की पढ़ाई के लिए फ्री कोचिंग दी जाएगी।

'एआई के युग में शिक्षा बच्चों को सिर्फ पढ़ाई नहीं, जीवन जीना भी सिखाएं', तीन राज्यों के शिक्षकों से सिसोदिया ने की बात

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जिस तेजी के साथ दुनिया को बदल रही है, उसमें स्कूलों को अब सिर्फ पढ़ाई तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि बच्चों को दूसरों के साथ अच्छे से जीना सिखाना होगा। आने वाले वक्त में सबसे बड़ी चुनौती टेक्नोलॉजी को समझना नहीं, बल्कि अपने आप से, दूसरों से और प्रकृति से सही तालमेल बिठाना होगा। दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड के शिक्षकों से बात करने के दौरान दिल्ली के पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने यह बातें कहीं। शिक्षकों को बेहतर बनाने का काम करने वाले एक मशहूर एनजीओ के शिक्षकों से बातचीत में मनीष सिसोदिया ने कहा कि मशीनों के इस दौर में पढ़ाई-लिखाई में भावनाओं को समझना, दूसरों का दर्द महसूस करना और सबके साथ मिलकर रहना सबसे जरूरी होगा। दिल्ली के पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि एआई की वजह से दुनिया बहुत तेजी से बदल रही है। हम उस दौर में पहुंच गए हैं, जहां एआई निबंध लिख सकता है, गणित के सवाल हल कर सकता है, इतिहास का सारांश दे सकता है और साइंस के प्रयोग भी दिखा सकता है। ऐसे में अब शिक्षक का पुराना रोल, जो बस किताबी ज्ञान देने का था, वह खत्म हो रहा है। भारत में शिक्षा के हाल पर एक नजर यूडीआईएसई के मुताबिक भारत में 25.5 करोड़ से ज्यादा बच्चे स्कूल जाते हैं। देश में 95 लाख से ज्यादा शिक्षक हैं, जिनमें से करीब 50 लाख सरकारी स्कूलों में हैं। पूरे देश में 15 लाख स्कूल हैं, जो हर तरह के इलाकों और समाज को कवर करते हैं। मनीष सिसोदिया ने कहा कि इतने बड़े और अलग-अलग तरह के शिक्षा सिस्टम में एआई बहुत कुछ कर सकता है, लेकिन संदर्भ, नैतिकता, भावनात्मक साथ और जिंदगी का अनुभव जैसी चीजें सिर्फ शिक्षक ही दे सकते हैं। वह कोई मशीन नहीं दे पाएगी। अब स्कूलों का मकसद सिर्फ किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि बच्चों का चरित्र बनाना, उनकी सोच को नया रंग देना, सबके साथ काम करना और दूसरों का ख्याल रखना और सिखाना होना चाहिए। एक उदाहरण देते हुए मनीष सिसोदिया ने कहा कि पहले न्यूटन के नियम पढ़ाने के लिए शिक्षक की जरूरत होती थी। आज 12 साल का बच्चा चैटजीपीटी से पूछकर जवाब, तस्वीरें और वीडियो तक ले सकता है। इसलिए, अब सवाल यह नहीं है कि न्यूटन के नियमों को कैसे पढ़ाया जाए, बल्कि सवाल यह है कि गति, बल और सवाल के बारे में सीखना क्यों महत्वपूर्ण है। किताबों से आगे बढ़कर सही बातचीत की ओर दिल्ली के पूर्व शिक्षा मंत्री ने कहा कि अब शिक्षकों को बच्चों को सही सवाल पूछना सिखाना चाहिए, जवाब देने की चिंता न करें। जवाब तो एआई भी दे देगा।

गर्मी से पहले दिल्लीवालों को लगेगा झटका ! बढ़ सकती हैं बिजली की दरें, ऊर्जा मंत्री ने दिए संकेत

नई दिल्ली। दिल्ली के ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने सोमवार को विधानसभा में संकेत दिया कि आने वाले समय में बिजली की दरों में बढ़ोतरी हो सकती है। उन्होंने इसका कारण पिछली आम आदमी पार्टी (AAP) सरकार द्वारा बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) पर छोड़ा गया 27,000 करोड़ रुपये का कर्ज बताया है। आशीष सूद ने कहा कि डिस्कॉम को दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग (DERC) के माध्यम से इस बकाया राशि की वसूली के लिए दरें बढ़ाने का अधिकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि अअढ सरकार के कार्यकाल के दौरान दिल्ली हाईकोर्ट ने अफ्छ को टैरिफ ऑर्डर जारी करने का निर्देश दिया था, लेकिन सरकार जनता के हितों की रक्षा करने में असफल रही। सूद ने कहा, "पिछली सरकार ने डिस्कॉम के माध्यम से DERC पर 27 हजार करोड़ रुपये का कर्ज छोड़ दिया है। इसे वसूलने के लिए कंपनियों को बिजली दरें बढ़ाने का अधिकार है। हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद पिछली सरकार DERC से टैरिफ ऑर्डर नहीं ला सकी, जिससे जनता का नुकसान हुआ।" उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ लोग राजनीतिक लाभ के लिए बिजली दरों में बढ़ोतरी चाहते हैं, लेकिन मौजूदा सरकार DERC के संपर्क में है और स्थिति पर नजर बनाए हुए है। इस बीच, दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और अअढ नेता अतिशी ने केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि चुनाव पूर्व महिलाओं को 2,500 रुपये की वित्तीय सहायता देने का वादा अब तक पूरा नहीं हुआ है। बीजेपी ने चुनाव से पहले महिलाओं को 8 मार्च तक 2,500 रुपये देने का वादा किया था। आज तक उस योजना का पंजीकरण तक शुरू नहीं हुआ है। यह साफ है कि प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली की जनता से झूठ बोला और उन्हें धोखा दिया।" सोमवार को दिल्ली की नव-निर्वाचित मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विधानसभा के बजट सत्र की शुरूआत से पहले परंपरागत रूप से 'खीर' बनाकर

शुभारंभ किया। इस सत्र में वित्तीय समितियों के चुनाव पर विशेष जोर रहेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता नौ-नौ सदस्यों की तीन प्रमुख समितियों-लोक लेखा समिति, अनुमान समिति और सरकारी उपक्रम समिति के चुनाव का प्रस्ताव रखेंगी। इसके अलावा, दिल्ली में पानी की कमी, जलभराव, सीवर जाम और नालों की सफाई जैसे मुद्दों पर चर्चा जारी रहेगी। बता दें, दिल्ली की पिछली आप सरकार ने राजधानी के लोगों को बिजली सब्सिडी योजना को जारी रखने को मंजूरी दे दी थी। इसके तहत राज्य सरकार 200 यूनिट से कम खपत करने वाले परिवारों को मुफ्त बिजली देती है और केवल 201-400 यूनिट प्रति माह उपयोग करने वाले परिवारों को 50% सब्सिडी देती है। इससे ऊपर के बिजली खपत पर पूरी दरें वसूली जाती है।

योगी सरकारः 8 साल बेमिसाल

सुरक्षा, सुशासन, समृद्धि और सनातन संस्कृति के क्षेत्र में प्रदेश की जो पहचान बनी है उसका एहसास पूरा भारत कर रहा है- सीएम योगी

लखनऊ/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। लखनऊ/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । सरकार के 8 वर्ष पूरे होने के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लोकभवन में आयोजित एक पत्र-ाकार वार्ता में अपनी सरकार के विकास कार्यों का विस्तृत खाका प्रस्तुत किया। इस दौरान 8 वर्षों में यूपी में सरकार के कामकाज पर "एक झलक" रिपोर्ट कार्ड डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई और पुस्तिका का विमोचन किया गया। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और 25 करोड़ प्रदेशवासियों के समवेत प्रयास से आज यह उत्तर प्रदेश, भारत के 'श्रम शक्ति पुंज से अर्थ शक्ति पुंज' बनने की ओर अग्रसर है। उत्तर प्रदेश वही है, लेकिन बीते 8 वर्षों परसेप्शन पूरी तरह से बदल चुका है। सुरक्षा, सुशासन, समृद्धि और सनातन संस्कृति के क्षेत्र में जो पहचान बनी है उसका एहसास उत्तर प्रदेश ही नहीं पूरा भारत कर रहा है। उन्होंने कहा कि 8 वर्ष पहले बीमारू राज्य की पहचान रखने वाला उत्तर प्रदेश आज देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बन चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायी मार्गदर्शन और उनके विजनरी नेतृत्व में सेवा, सुरक्षा और सुशासन के 8 वर्ष पूरे हुए हैं। उन्होंने 25 करोड़ प्रदेशवासियों को 8 वर्ष की इस शानदार यात्रा के लिए बधाई दी और कहा कि डबल इंजन सरकार ने हर क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन किया है। सीएम योगी ने कहा कि आगामी 25, 26 और 27 मार्च को प्रत्येक जिला मुख्यालय पर तीन दिवसीय 'विकास उत्सव' आयोजित होगा, जिसमें अन्नदाता किसानों, युवाओं, मातृशक्ति, हस्तशिल्पियों और उद्यमियों को सम्मानित किया जाएगा। यहां केंद्र सरकार के 10 व प्रदेश के 8 वर्षों की विकास यात्रा को जनता के समक्ष रखा जाएगा। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है। यूपी नंबर दो की अर्थव्यवस्था है और जल्द नंबर एक बनेगा। उन्होंने पीएम मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा और मंत्रिमंडल के सहयोगियों और एनडीए के सभी घटक दलों का आभार जताया। सीएम योगी ने कहा कि यह 8 वर्ष की शानदार यात्रा टीम भावना, स्केल, स्किल और स्पीड का परिणाम है।

8 वर्ष पहले पहचान की संकट से जूझ रहा था उत्तर प्रदेश- सीएम योगी

सीएम योगी ने 2017 से पहले की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि 8 वर्ष पहले उत्तर प्रदेश की पहचान संकट में थी। किसान आत्महत्या कर रहे थे, युवा अपनी पहचान के मोहताज थे, बेटियां और व्यापारी असुरक्षित थे। दंगों और अराजकता ने अर्थव्यवस्था को तबाह कर दिया था। उन्होंने कहा कि उस समय उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्य माना जाता था और इसे देश के विकास में बाधक समझा जाता था। लेकिन 8 वर्षों में डबल इंजन सरकार ने इस परसेप्शन को पूरी तरह बदल दिया। आज उत्तर प्रदेश देश के विकास का ब्रेकथ्रू बनकर हर सेक्टर में आगे बढ़ रहा है।

इन आठ वर्षों में प्रदेश की कृषि क्षेत्र में आई क्रांति, अन्नदाता की आय हुई दोगुनी- मुख्यर्यत्री

सीएम योगी ने प्रदेश के कृषि क्षेत्र में हुए बदलावों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश प्राचीन काल से कृषि प्रधान रहा है। यहां उर्वर भूमि और जल संसाधन प्रचुर मात्रा में हैं। लेकिन 2017 से पहले किसान आत्महत्या कर रहे थे। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने इस स्थिति को बदला। 2017 में पहली कैबिनेट में ही 36,000 करोड़ रुपये की लागत से लघु और सीमांत किसानों की कर्ज माफी की गई। इसके परिणामस्वरूप 2016-17 में 557 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न उत्पादन करने वाला उत्तर प्रदेश 2023-24 में 668 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न उत्पादन तक पहुंच गया, जो 20% की वृद्धि दशार्ता है। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत 2.61 करोड़ से अधिक किसानों को 80,000 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि डीबीटी के जरिए दी गई। उन्होंने बताया कि 40 वर्षों से लंबित अर्जुन सहायक, बाणसागर और सरयू नहर जैसी परियोजनाओं को पूरा कर 23,000 हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि को सिंचाई सुविधा दी गई। कृषि विज्ञान केंद्र, नया ऋषि विश्वविद्यालय और टेक्नोलॉजी के उपयोग से धान, गेहूं, दलहन और श्री अन्न में उत्तर प्रदेश शीर्ष पर पहुंच गया। गन्ना किसानों के लिए किए गए कार्यों का जिक्र करते हुए सीएम योगी ने कहा कि 2008-09 से 2017 तक गन्ना किसानों का हजारों करोड़ रुपये बकाया था। हमारी सरकार ने एक भी चीनी मिल बंद नहीं होने दी। तीन नई चीनी मिलें स्थापित कीं, छह का पुनः संचालन किया और 38 का विस्तार किया। उन्होंने कहा कि 2017 से अब तक 2.80 लाख करोड़ रुपये का गन्ना मूल्य भुगतान किया गया, जो पिछली सरकारों के 22 वर्षों के भुगतान से 60,000 करोड़ रुपये अधिक है। एथेनॉल उत्पादन 42 करोड़ लीटर से बढ़कर 177 करोड़ लीटर तक पहुंच गया।

आज उत्तर प्रदेश में कानून का राज है- योगी

सीएम योगी ने कानून-व्यवस्था में सुधार को सबसे बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि 2017 से कि पहले हर तीसरे दिन दंगे होते थे। बेटियां और व्यापारी असुरक्षित थे। लेकिन आज उत्तर प्रदेश में कानून का राज है। उन्होंने प्रयागराज महाकुंभ का उदाहरण देते हुए कहा कि 45 दिनों के इस आयोजन में कोई छेड़छाड़, लूटपाट या अपहरण की घटना नहीं हुई। सीएम योगी ने बताया कि 2017 में 1.5 लाख पुलिस पद खाली थे। डबल इंजन सरकार ने पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के जरिए 1,56,000 पुलिसकर्मियों की भर्ती की और हाल ही में 60,200 नई भर्तियां की गईं। उन्होंने कहा कि 10 जनपदों में पुलिस लाइन नहीं थी। हमने सभी जगह पुलिस लाइन बनाईं। ट्रेनिंग क्षमता 6,000 से बढ़ाकर 60,244 कर दी गई। उन्होंने कहा कि पीएसी की 54 कंपनियां पिछली सरकारों ने खत्म कर दी थीं, जिन्हें बहाल किया गया। तीन महिला बटालियन और पांच नई पीएसी बटालियन गठित की गईं। साइबर थानों और हेल्प डेस्क की स्थापना की गई। पीआरबी 112 का रिस्पांस टाइम 25 मिनट 42 सेकंड से घटकर 7 मिनट 24 सेकंड हो गया। 11 लाख से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाकर सेफ सिटी की परिकल्पना को साकार किया गया।

नारी की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन संपूर्ण समाज के स्वावलंबन का आधार- सीएम योगी

सीएम योगी ने कहा कि नारी की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन संपूर्ण समाज के स्वावलंबन का आधार है। उन्होंने कहा कि 1947 से 2017 तक पुलिस बल में केवल 10,000 महिला पुलिसकर्मी थीं। लेकिन हाल की भर्ती में 12,000 और अब तक 25,000 से अधिक महिलाओं को पुलिस बल में शामिल किया गया। महिला वर्कफोर्स 14% से बढ़कर 35% से अधिक हो गई। मातृ वंदना योजना से 60 लाख माताएं लाभान्वित हुईं। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के तहत 22.11 लाख बेटियों को जन्म से स्नातक तक 25,000 रुपये की सहायता दी गई। सीएम योगी ने कहा कि 57,000 ग्राम पंचायतों में बीसी सखी बैंकिंग सुविधा दे रही हैं। एक करोड़ महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर स्वावलंबी बनी हैं। उन्होंने बताया कि सामूहिक विवाह योजना में 4.76 लाख विवाह संपन्न हुए, और अब इसकी राशि 51,000 से बढ़ाकर 1,00,000 रुपये करने की घोषणा की गई। स्वामित्व योजना में एक करोड़ महिलाओं को मालिकाना हक दिया गया। कामकाजी महिलाओं के लिए अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर छह शहरों में हॉस्टल बनाए जा रहे हैं।

बीते आठ वर्षों में बेरोजगारी दर 19% से 3% पर- योगी

सीएम योगी ने युवाओं के लिए किए गए कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि 2016-17 में बेरोजगारी दर 19% थी, जो आज घटकर 3% रह गई है। उन्होंने कहा कि बीते आठ वर्षों में 8 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां दी गईं। एमएसएमई सेक्टर में 2 करोड़ से अधिक युवा स्वरोजगार से जुड़े। 50 लाख युवाओं को टैबलेट और स्मार्टफोन देकर डिजिटल सक्षम बनाया गया। 96 लाख एमएसएमई यूनिट्स के साथ उत्तर प्रदेश इस क्षेत्र में अग्रणी है। सीएम योगी ने कहा कि वन जिला वन प्रोडक्ट (डञ्ढढ) योजना ने परंपरागत उद्यमिता को बढ़ावा दिया। निर्यात 86,000 करोड़ से बढ़कर 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी स्कीम का जिक्र करते हुए कहा कि 31 मार्च तक 1 लाख नए युवा उद्यमी बनाने का लक्ष्य है, जिसमें 5 लाख रुपये तक का ब्याजमुक्त और गारंटी मुक्त लोन दिया जा रहा है। विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत हस्तशिल्पियों को स्किल डेवलपमेंट और टूलकिट्स दी गईं।पहले नकल को जन्मसिद्ध अधिकार माना जाता था,

आज हो रही नकल विहीन परीक्षाएं- मुख्यमंत्री

सीएम योगी ने शिक्षा क्षेत्र में सुधारों को को पत्रकारों के समक्ष प्रस्तुत करते हुए कहा कि पहले नकल को जन्मसिद्ध अधिकार माना जाता था। आज नकल विहीन परीक्षाएं हो रही हैं। उन्होंने कहा कि बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में 50 लाख से अधिक बच्चों की बढ़ोतरी हुई। सभी बच्चों को 1,200 रुपये यूनिफॉर्म, बैग, किताबें, जूते और स्वेटर के लिए दिए जा रहे हैं। स्कूलों में टॉयलेट, पेयजल, डिजिटल लाइब्रेरी और फ्लोरिंग की व्यवस्था की गई। माध्यमिक स्कूलों के लिए अलंकार योजना शुरू की गई। छह कमिश्नरियों में नए राज्य विश्वविद्यालय, मेडिकल यूनिवर्सिटी, आयुष विश्वविद्यालय और एक अतिरिक्त एग्रीकल्चर विश्वविद्यालय की स्थापना की गई। 10 नए विश्वविद्यालय और 21 निजी विश्वविद्यालय स्थापित किए गए। प्रत्येक जनपद में मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग शुरू की गई। अनुसूचित जाति, जनजाति और ओबीसी छात्रों को 100% स्कॉलरशिप दी जा रही है।

बीते आठ वर्षों में 6 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा के ऊपर पहुंचे- मुख्यमंत्री

सीएम योगी ने कहा कि पिछले 8 वर्षों में 6 करोड़ से अधिक गरीबों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया गया। उन्होंने बताया कि 15 करोड़ लोग पिछले 5 वर्षों से मुफ्त राशन प्राप्त कर रहे हैं। 1.86 करोड़ उज्ज्वला कनेक्शन दिए गए। होली और दीपावली पर मुफ्त सिलेंडर दिए जा रहे हैं। 9 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत योजना के तहत गोल्डन कार्ड दिए गए। 56 लाख गरीबों को आवास उपलब्ध कराए गए। सीएम योगी ने कहा कि 2017 से पहले 55 लाख निराश्रित महिलाओं, वृद्धजनों और दिव्यांगों को पेंशन मिलती थी। आज यह संख्या 1.06 करोड़ हो गई है। पेंशन राशि 300 से बढ़ाकर 1,000 रुपये कर दी गई। उन्होंने बताया कि 2024-25 में 9.08 करोड़ लोगों को 1.10 लाख करोड़ रुपये डीबीटी के जरिए दिए गए, जिससे 10,000 करोड़ रुपये की बचत हुई। नए वित्तीय वर्ष में जीरो पॉवर्टी का लक्ष्य हासिल करने के लिए सरकार कृतसंकल्पित है।

आज यूपी एक्सप्रेसवे का पर्याय बन गया है- योगी आदित्यनाथ

सीएम योगी ने इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में हुई प्रगति को पत्रकारों के समक्ष रखते हुए कहा कि पहले कहा जाता था कि जहां गड्ढे शुरू हो जाएं, समझो उत्तर प्रदेश आ गया। आज यूपी एक्सप्रेसवे का पर्याय बन गया है। उन्होंने कहा कि यूपी में एक्सप्रेसवे की प्रगति आप इंटरनेट पर सर्च कर सकते हैं, जवाब मिल जाएगा। सीएम योगी ने कहा कि आज 6 एक्सप्रेसवे संचालित हैं और 11 पर काम चल रहा है। गंगा एक्सप्रेसवे बनने के बाद देश के 55% एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश में होंगे। सबसे बड़ा रेल नेटवर्क उत्तर प्रदेश के पास है। सीएम योगी ने कहा कि सर्वाधिक मेट्रो संचालन यूपी में हो रहा है। देश की पहली रैपिड रेल दिल्ली-मेरठ के बीच और पहला वॉटरवे हल्दिया-वाराणसी के बीच शुरू हुआ। उन्होंने बताया कि वाराणसी से प्रयागराज और बलिया से अयोध्या तक वॉटरवे की सुविधा बढ़ाई जा रही है। हर जनपद मुख्यालय फोरलेन से जुड़ा है। 2017 में 2 एयरपोर्ट क्रियाशील थे, आज 16 एयरपोर्ट हैं, जिनमें 4 इंटरनेशनल हैं। जेवर में देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट जल्द शुरू होगा। सीएम योगी ने कहा कि लैंडलॉक्ड स्टेट से उत्तर प्रदेश मुक्त हो चुका है।

हर जिला मुख्यालय की नगर पालिका को बनाएंगे स्मार्ट सिटी- मुख्यमंत्री

सीएम योगी ने नगरीय विकास पर चर्चा करते हुए कहा कि प्रदेश के अंदर नगरीय विकास के क्षेत्र में भी व्यापक परिवर्तन देखने को मिले हैं। 2016-17 में देश के 10 सबसे गंदे शहर यूपी के थे। आज 17 म्युनिसिपल कॉरपोरेशन स्मार्ट सिटी बन चुके हैं। उन्होंने बताया कि इस बार के बजट में हर जिला मुख्यालय की नगर पालिका को स्मार्ट सिटी बनाने की योजना है। लखनऊ, वाराणसी और कानपुर को स्टेट डेवलपमेंट रीजन के रूप में विकसित किया जा रहा है। वाराणसी में देश की पहली रोप-वे सेवा जल्द शुरू होगी।

1.65 करोड़ गरीबों को मुफ्त बिजली कनेक्शन दिए गए- सीएम योगी

सीएम योगी ने ऊर्जा क्षेत्र में प्रगति का जिक्र करते हुए कहा कि 1947 से 2017 तक 1,28,494 मजरों तक बिजली पहुंची थी। हमने 8 वर्षों में 1,21,000 मजरों को बिजली दी। उन्होंने कहा कि 2012-17 में 8.44 लाख बिजली कनेक्शन दिए गए, जबकि 2017-24 में 1.65 करोड़ गरीबों को मुफ्त बिजली कनेक्शन दिए गए। ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घंटे, तहसील मुख्यालयों में 20 घंटे और जिला मुख्यालयों में 24 घंटे बिजली दी जा रही है। सीएम योगी ने कहा कि पावर जेनरेशन में 6,000 मेगावाट से बढ़कर 33,000 मेगावाट की आपूर्ति हो रही है। सौर ऊर्जा में 228 मेगावाट से बढ़कर 2,653 मेगावाट उत्पादन हो रहा है। उन्होंने बताया कि बुंदेलखंड में ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर के जरिए 4,000 मेगावाट सोलर पावर की स्थापना हो रही है और अगले 5 वर्षों में 22,000 मेगावाट ग्रीन एनर्जी का लक्ष्य है।

2017 से पहले इज ऑफ डूइंग बिजनेस में यूपी 14वें स्थान पर था। आज टॉप अचीवर स्टेट है- सीएम योगी

सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास पर चर्चा करते हुए कहा कि 2017 से पहले इज ऑफ डूइंग बिजनेस में यूपी 14वें स्थान पर था। आज टॉप अचीवर स्टेट है। उन्होंने कहा कि 33 सेक्टोरियल पॉलिसी और सिंगल विंडो सिस्टम के जरिए 500 से अधिक एनओसी एक प्लेटफॉर्म पर दी जा रही हैं। 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक की निवेश परियोजनाएं जमीनी धरातल पर उतारी गईं। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश निवेशकों के लिए ड्रीम डेस्टिनेशन बन गया है।

बीते आठ वर्षों में सुदृण हुई प्रदेश की स्वास्थ्य सुविधाएं- योगी

सीएम योगी ने स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रगति का जिक्र करते हुए कहा कि 1947 से 2017 तक केवल 12 सरकारी मेडिकल कॉलेज थे। आज 80 मेडिकल कॉलेज हैं, जिनमें 44 सरकारी हैं। प्रदेश के अंदर इससे पहले नर्सिंग और पैरामेडिकल कॉलेज की स्थिति क्या थी ताले लटकते थे। ना इंफ्रास्ट्रक्चर था ना फैकल्टी थी, आज प्रदेश के अंदर हर मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग कॉलेज बनाने की कार्यवाही को तेजी के साथ आगे बढ़ने का कार्य हो रहा है। प्रदेश के अंदर हम लोगों ने जो 36 जनपद ऐसे थे जिनमें संचारित रोग में खास तौर पर इंसेफेलाइटिस थे, उत्तर प्रदेश के मासूम तड़प तड़प कर मरते थे आज उसे पर प्रभावी नियंत्रण करने में उत्तर प्रदेश में सफलता प्राप्त की है।मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि इंसेफेलाइटिस पर 85% और जापानी इंसेफेलाइटिस पर 99% नियंत्रण हासिल किया गया। डेंगू मृत्यु दर 95% और मलेरिया 56% कम हुआ। आयुष्मान भारत योजना में यूपी नंबर एक है। एमबीबीएस सीटें 1,990 से बढ़कर 5,250 और पीजी सीटें 741 से बढ़कर 1,871 हो गईं।

कनेक्टिविटी, सुरक्षा और सुविधाओं के विकास ने पर्यटन को बढ़ावा दिया- मुख्यमंत्री

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने टूरिज्म के क्षेत्र में भी एक लंबी चलांग लगाई है। यूपी के अलग-अलग क्षेत्रों में हुए विकास कार्यों का असर यूपी के पर्यटन क्षेत्र में भी देखने को मिला है। ह्न2017 से पहले 21 करोड़ पर्यटक आते थे, उसमें स्पिरिचुअल भी होता था इको टूरिज्म भी होता था हेरिटेज भी होता था और अन्य तमाम आयोजन के साथ भी जुड़ते थे आज यह संख्या बहुत बड़ी हो चुकी है। 2023 में 67 करोड़ पर्यटक आए। उन्होंने बताया कि प्रयागराज महाकुंभ में भी 67 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे। योगी ने कहा, ह्नआस्था अब अर्थव्यवस्था का सशक्त माध्यम बन गई है। कनेक्टिविटी, सुरक्षा और सुविधाओं के विकास ने पर्यटन को बढ़ावा दिया। सीएम योगी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने काफी बड़े पैमाने पर अवस्थापना सुविधाओं का विकास भी किया है। आज उसका परिणाम हम सभी के सामने है।

पिछले 8 वर्ष में हमने प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान की- मुख्यमंत्री

सीएम योगी ने कहा कि आज प्रदेश में बिना कुछ बोझ डाले जनता जनार्दन पर कोई भी बिना अतिरिक्त टैक्स लगाए बगैर पिछले 8 वर्ष में हमने प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान की है। इसके लिए भ्रष्टाचार पर प्रभावी प्रहार किया, लीकेज को रोकना, सोर्स ऑफ इनकम को बढ़ाकर हमने रेवेन्यू बढ़ाई हैं और परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश देश का एक रेवेन्यू सरप्लस स्टेट है। 2017 में यूपी की अर्थव्यवस्था 12.75 लाख करोड़ रुपये थी, जो आज 27.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गई। प्रति व्यक्ति आय 46,000 से बढ़कर 1,24,000 रुपये हो गई। उन्होंने बताया कि 2000 से 2017 तक 3,300 करोड़ रुपये का एफडीआई आया, जबकि 2017-24 में 14,808 करोड़ रुपये का एफडीआई आया। बैंकिंग व्यवसाय 12.30 लाख करोड़ से बढ़कर 29.66 लाख करोड़ रुपये हो गया। सीडी रेशियो 46% से बढ़कर 61% हो गया। सीएम योगी ने आरबीआई की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि प्रोजेक्ट फाइनेंसिंग के लिए फंड आकर्षित करने में 16.2 % हिस्सेदारी के साथ उत्तर प्रदेश से देश के अंदर शीर्ष स्थान पर है। मुंबई स्टॉक में 132 कंपनियों ने केवल उत्तर प्रदेश की है, जो जिन्होंने वहां पर पंजीकरण कराया और जिनका मार्केट कैपिटल 368162 करोड रुपए से अधिक का है। वह प्रदेश के अंदर 2017 तक कुछ 13000 फैक्ट्रियां आज इनकी संख्या इन 8 वर्ष इनकी संख्या बढ़कर के 26900 से अधिक है। यह संख्या बताती है कि उत्तर प्रदेश एक अच्छी दिशा में आगे बढ़ा है

केन्द्र की इन योजनाओं में टॉप पर है उत्तर प्रदेश

सीएम योगी ने कहा कि खाद्यान्न, गन्ना, आलू, इथेनॉल उत्पादन, इज ऑफ डूइंग बिजनेस, प्रोजेक्ट फाइनेंसिंग, आयकर रिटर्न, जेम पोर्टल खरीद, कौशल विकास, एमएसएमई, पीएम आवास, उज्ज्वला, स्वामित्व, जन धन, सुरक्षा बीमा और जीवन ज्योति बीमा योजना में यूपी नंबर एक है। उन्होंने कहा कि यह टीम भावना और ईमानदार प्रतिबद्धता का परिणाम है।

शब-ए-कद्रः मस्जिदों में इबादत और दुआओं का सिलसिला, देश में अमन की कामना

सुलतानपुर/ भव्य खबर। शब-ए-कद्र के पवित्र अवसर पर रविवार रात शिया समुदाय के लोगों ने मस्जिदों और घरों में विशेष इबादतें अदा की। देश में अमन-शांति की दुआ के साथ रात भर नमाज अदा की गई और कुरआन की तिलावत की गई। नगर के विभिन्न मस्जिदों में रात भर धार्मिक अनुष्ठान होते रहे, जिसमें सेहरी और नमाज के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे। खैराबाद स्थित मस्जिद मीर बंदे हसन, चुनहा मीसम नगर, और अन्य क्षेत्रों में भी मस्जिदें गुलजार रही। नमाज का सिलसिला रात करीब 10 बजे से शुरू होकर सुबह 5 बजे तक जारी रहा। इस दौरान मस्जिदों में शांति और समर्पण का माहौल था। मस्जिद मीर बंदे हसन के पेश इमाम मौलाना बबर अली खां ने बताया कि शब-ए-कद्र की रात विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसी रात कुरआन का अवतरण हुआ था। उन्होंने बताया कि इन रातों में अल्लाह अपने बंदों के गुनाह माफ कर देता है, बशर्ते वे तीन गुनाहों से बचें: माँ-बाप को दुख न पहुँचाना, गरीब रिश्तेदारों का हक न मारना और शराब से बचना। यह रात शांति और समर्पण का संदेश देती है, और सभी को अपने गुनाहों से तौबा करने की प्रेरणा देती है।

दो पक्ष की मारपीट में युवती की मौत,अस्पताल में परिजनों ने काटा हंगामा

सुलतानपुर/ भव्य खबर। गोसाईंगंज थाना अंतर्गत मूंगर गांव में दो पक्ष में विवाद हुआ। जिसमें एक पक्ष ने एक लड़की को इस कद्र पीटा की उसने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। जिसके बाद अस्पताल में परिजनों ने जमकर हंगामा काटा। वही मृतक लड़की के पिता ने आरोप लगाया कि थाने पर पुलिस ने हमें, हमारी लड़की और पत्नी की पिटाई की। राजकीय मेडिकल कॉलेज में बेटी को सही इलाज नहीं दिया गया जिससे उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी संजय कुमार का आरोप है कि गांव के राकेश से उसका जमीनी विवाद चल रहा है। आज सुबह राकेश, राजेश, मनीष, कुसुम, लता, ऊषा, गायत्री ने हमला बोला। इसी क्रम में हृदय राम वर्मा ने बताया कि हमारी लड़की बर्तन धो रही थी, और पत्नी झाड़ू लगा रही थी। हमारी बेटी को विपक्षी मुंह में कपड़ा ठूंस कर घसीटकर ले गए और मारे पीटे। हमने पुलिस को फोन किया पुलिस लड़की को लेकर थाने पर आई। राकेश राजेश, राम केवल आदि मेरी बेटी और मेरी पत्नी को मारे पीटे। पुलिस वालों ने भी हमें हमारी लड़की और हमारी औरत को मारा। अस्पताल में भी सही इलाज नहीं मिला और लड़की (अंशिका वर्मा 23) मर गई। जिसके पाद परिवार ने जमकर अस्पताल में हंगामा काटा। इस पर कोतवाल नारद मुनि सिंह व उनकी टीम ने पहुंच कर परिवार को समझाया बुझाया। वहीं बेटी की मौत से परिवार में कोहराम मचा है। वहीं गोसाईंगंज पुलिस की कार्य शैली सवालो में है। इसलिए की पुलिस ने स्वयं पार्टी बनते हुए दोनों पक्ष से एफआईआर किया जबकि घायल एक पक्ष से ही हुए। पुलिस ने यहां राकेश पक्ष से भी केस दर्ज किया है। वैसे क्रास केस दर्ज किए जाने का खेल कोतवाली नगर और गोसाईंगंज में बराबर चल रहा है। राकेश पक्ष का आरोप है कि संजय पक्ष व हृदय राम वर्मा के पक्ष के लोगों ने गाली गलौज करते हुए हमारे वाहन तोड़े और मारपीट की है। इस मामले में गोसाईंगंज एसओ अखिलेश सिंह ने बताया तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया गया है। जांच के आधार पर अन्य विधिक कार्रवाई की जाएगी।अवैध हुक्का बार के विरुद्ध चलाया गया अभियान

अवैध हुक्का बार के विरुद्ध चलाया गया अभियान

उन्नाव/ भव्य खबर। पुलिस अधीक्ष के कुशल निर्देशन अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी व क्षेत्राधिकारी महोदया नगर के कुशल पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान को एस.ओ.जी., सर्विलांस व थाना कोतवाली कोतवाली सदर की संयुक्त टीम द्वारा थाना कोतवाली सदर क्षेत्रांतर्गत फूड कोस्टा रेस्टोरेंट, फ्लोर हाउस रेस्टोरेंट, पिज्जा केव रेस्टोरेंट में छापा मारा गया जिसमे पुलिस द्वारा अभियुक्तगण 1. साहिल चौधरी पुत्र रोहित निवासी 1355 सेक्टर ए पीडी नगर थाना कोतवाली सदर उन्नाव उम्र करीब 20 वर्ष 2. रमन पुत्र सुरेश निवासी कुटी बन्जौरा थाना माखी जनपद उन्नाव उम्र करीब 23 वर्ष 3. विशाल पुत्र राजकुमार निवासी पटियारा मांखी जनपद उन्नाव उम्र करीब 23 वर्ष 4. सूरज पुत्र रामकुमार निवासी ग्राम रिठनई थाना अचलगंज जनपद उन्नाव उम्र करीब 24 वर्ष 5. हर्षित शुक्ला पुत्र रवि शुक्ला निवासी 06 बुधवारी धवन रोड उन्नाव थाना कोतवाली सदर उन्नाव उम्र करीब 27 वर्ष 6. अनूप पुत्र सुशील निवासी सेण्टजूस वाली गली पीताम्बर नगर कोतवाली सदर उन्नाव उम्र करीब 20 वर्ष 7. पीयूष पुत्र अनिल सोनकर निवासी पीडी नगर थाना कोतवाली सदर उन्नाव उम्र करीब 18 वर्ष 8. सूरज पुत्र गिरजा शंकर निवासी 100 पुरारी बाजार थाना कोतवाली सदर उन्नाव उम्र करीब 25 वर्ष को गिरफ्तार कर मौके से अवैध 21 हुक्का, 18 चिलम, 18 पाइप, 02 हीटर, 08 चिमटी, 02 पैकेट कोयला, 23 पैकेट तंबाकू व 03 डिब्बी तंबाकू बरामद की गयी । गिरफ्तारी व बरामदगी के संदर्भ मे थाना कोतवाली सदर पर मु0अ0सं0 232/25 धारा 271 बीएनएस व 4/21 सिगरेट व अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम पंजीकृत किया गया है।

अप्रिय घटनाओं के उत्पन्न होने से पहले सक्रिय रहे जिम्मेदारः एसपी दीपक भूकर

उन्नाव/ भव्य खबर। आगामी नवरात्रि और रमजान के मुबारक माह को देखते हुए पुलिस ने अतिसंवेदनशील और भीड़भाड़ वाले स्थान पर गहनता से नजर रखने के लिए प्रतिदिन पुलिस की टीम को लेकर समस्त सीओ और थाना प्रभारियों के साथ पुलिस टीम क्षेत्र में पैदल गस्त मार्च कर रही है जिस पर पुलिस अधीक्षक ने बताया की किसी भी परिस्थिति में कोई भी अनहोनी घटना को रोकने के लिए पुलिस को करने दे दिए जा चुके हैं और मेहर को संवेदनशील बनाए रखने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। आप लोगों को बताते चलें कि आगामी नवरात्रि और रमजान को ध्यान में रखते हुए शासन की मनसा के अनुरूप किसी भी प्रकार की अनहोनी वाली घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस अधीक्षक ने समस्त क्षेत्राधिकारियों थाना प्रभारी कोतवाली प्रभारी व अन्य सभी शाखों के अधिकारियों को करें निर्देश दिए हैं कि अतिभीड़भाड़ वाले स्थानों के साथ संवेदनशील स्थानों पर जनता से दृष्टिगत रखते हुए पूरी सक्रियता रखी जाए अधिकारियों के नेतृत्व में प्रति दिन शाम से देर रात्रि तक गस्त करते हुए सूचीबद्य अपराधी प्रति बध्य बदमाशों पर कड़ी नजर रखते हुए सक्रिय रहने के निर्देश दिए हैं।

मांझी बोले-एच.ए एम से हो सकता है बिहार का अगला सी.एम

40 सीटों पर दावा ठोक NDA की बढ़ाई टेंशन, कहा-जीते तो शेरघाटी को जिला बनाएंगे

गया। पार्टी के सुप्रीमो और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए 40 सीटों पर अपना दावा ठोका है। उन्होंने यह भी दावा किया कि अगर उनकी पार्टी चुनाव में 20 से 25 सीट जीतकर आती है तो अगला CM उनकी HAM पार्टी से भी हो सकता है। जीतन राम मांझी ने गया की शेरघाटी सीट पर भी दावा ठोका। कहा- अगर जीते तो शेरघाटी को जिला बनाएंगे। मांझी गया के शेरघाटी में रंगलाल हाई स्कूल मैदान में रविवार को गरीब चेतना सम्मेलन में बोल रहे थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहामांझी ने कहा, 'जब कम पढ़-लिखे लोग मुख्यमंत्री बन

सकते हैं तो आपके यहां वकील, डॉक्टर, इंजीनियर सब हैं। यह बातें उन्होंने मगही भाषा में जनता को संबोधित करते हुए कहीं। उनका इशारा साफ था कि अब हम वोट बैंक नहीं, किंग मेकर हैं। जीतन राम मांझी ने गया की शेरघाटी सीट पर भी दावा ठोका। मांझी ने कहा, ' हमें 20 सीटें मिलीं, तो शेरघाटी को जिला बनाएंगे।' साथ ही ऐलान किया कि 35 एकड़ में ट्रेनिंग सेंटर बनेगा, जिससे 10 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। मांझी ने शेरघाटी और गया की जनता को धन्यवाद देते हुए कहा यहां की जनता ने हमे लोकसभा में भेजकर केंद्रीय मंत्री बनाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने समान शिक्षा कानून लागू करने की बात कही। ताकि अमीर-गरीब का भेद मिट सके। मांझी ने जातीय जनगणना पर भी सियासी तीर छोड़े। कहा कि भुइंया और मुसहर जाति को अलग-अलग गिना गया, लेकिन यादव समाज में कृष्णौत और मंजरौत को एक माना गया। मांझी पत्रकारों को भी साधने से नहीं चूके। कहा, जब मैं मुख्यमंत्री था, तब पत्रकारों के लिए पेंशन और प्रेस भवन की योजना बनाई थी। लेकिन अब पता नहीं, वह लागू हुई या नहीं। यानी मांझी सरकार को घेरने के साथ-साथ पत्रकारों के बीच भी सहानुभूति बटोरते दिखे।

मंच पर बिहार सरकार में मंत्री और मांझी के बेटे संतोष सुमन भी मौजूद थे। भीड़ देख मंत्री संतोष कुमार सुमन जोश में आ गए। फिर मंच से कहा- 'कोई बोलतई रे...।' साथ में यह भी कहा- 'यह आग लगी रहनी चाहिए।' मंत्री संतोष कुमार सुमन ने सम्मेलन को ऐतिहासिक बताया।

औरंगाबाद में सड़क हादसे में 2 लोग घायल

औरंगाबाद। के कुटुंबा थाना क्षेत्र में रविवार रात एक तेज रफ्तार वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार और एक पैदल यात्री घायल हो गए। घायलों में घेउरा गांव निवासी सुजीत कुमार (22) और नहौना गांव निवासी मंजीत लाल (30) शामिल हैं। स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को तत्काल नजदीकी निजी क्लीनिक पहुंचाया। बाइक चालक सुजीत की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें कुटुंबा रेफरल अस्पताल भेजा गया। वहां से डॉक्टर नवल किशोर सिंह ने उन्हें औरंगाबाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया। मंजीत लाल को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। अस्पताल में चल रहा है इलाज परिजनों के अनुसार,

सुजीत किसी जरूरी काम से कुटुंब जा रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर से बाइक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे टहल रहे मंजीत लाल से टकरा गई।

मंजीत अंबा के नबीनगर रोड पर किराए के मकान में रहते हैं और वह बतरे नदी की ओर टहलने गए थे। वर्तमान में सुजीत का इलाज सदर अस्पताल में जारी है।

हत्या के प्रयास के आरोपी के घर चिपकाया गया नोटिस

भोजपुर। जिले के खवासपुर थाना पुलिस द्वारा हत्या के प्रयास से जुड़े मामले में फरार मुख्य अभियुक्त के घर पर इश्तेहार चस्पाया गया है। पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र के धनीदास के टोला निवासी रामबदन यादव के पुत्र राहुल कुमार के घर इश्तेहार चस्पाया गया। इसके बावजूद अगर अभियुक्त द्वारा सरेंडर नहीं किया जाता है तो पुलिस द्वारा उसके घर की कुर्की भी की जाएगी। बता दें कि 4 दिसंबर वर्ष 2024 में खवासपुर थाना क्षेत्र के धनीदास के टोला निवासी रामबदन यादव के पुत्र राहुल कुमार, गांव के अंगद नामक लड़के को मार रहा था। तब रोहित कुमार द्वारा उसे रोका जा रहा गया था। जिसे लेकर राहुल कुमार अंगद को छोड़ उसे मारकर जख्मी

कर दिया था। जिसके बाद जख्मी रोहित कुमार ने मारपीट कर जख्मी करने को लेकर राहुल कुमार के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उसी समय उक्त अभियुक्त फरार चल रहा था।रढ राज के आदेश पर कांड में वांछित आरोपितों की गिरफ्तारी एवं हथियार व शराब बरामदगी को लेकर चलाए गए छापेमारी अभियान में 36 पकड़े गए। इसमें एससी-एसटी एक्ट में एक, आर्म्स एक्ट में दो, हत्या के प्रयास में छह, वारंट में पन्द्रह एवं अन्य कांड में एक पुलिस के हत्थे चढ़े है। अभियान के दौरान चार अवैध शराब भट्ठियों को तोड़ा गया। इस दौरान शराब पीने में सात एवं बिक्री करने में चार पकड़े गए। करीब 274 लीटर देसी एवं 27 लीटर अंग्रेजी शराब बामद किया गया। एक देसी कट्टा, एक देसी पिस्टल ,चार कारतूस एवं एक मैग्जीन बरामद किया गया। कोईलवर पुलिस ने महुई बाल घाट के पास छापेमारी कर एक पिस्टल, एक मैग्जीन एवं तीन कारतूस बरामद किया है। हालांकि, बालू तस्कर हाथ नहीं लगे। इसे लेकर अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी की गई है। संदेश थाना पुलिस एसी-एसटी एक्ट में एक को धर दबोचा। नवादा थाना पुलिस ने एक वारंटी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी थाना क्षेत्र के मील रोड महोल्ला स्थित उसके घर से हो की। गिरफ्तार वारंटी मिल रोड निवासी अभय कुमार गुप्ता उर्फ बंटी है। न्यायालय वारंट जारी किया गया था।

पूर्व सांसद लालमुनि चौबे की श्रद्धांजलि सभा में आएंगे राज्यपाल

बक्सर। में भाजपा के पूर्व सांसद लालमुनि चौबे की श्रद्धांजलि सभा में बिहार के राज्यपाल और जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल पहुंच रहे हैं। प्रशासन ने इस दौरान विशेष ट्रैफिक प्लान लागू किया है। 24 मार्च को सुबह 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक कई मार्गों पर यातायात प्रतिबंधित रहेगा। प्रशासन ने ज्योति चौक, डीएवी मोड़, अंबेडकर चौक और एलटीजे मोड़ पर वाहनों की आवाजाही रोक दी है। वैकल्पिक मार्ग के रूप में दो

रूट तय किए गए हैं। पहला रूट गोलंबर से दानी कुटिया तक है। दूसरा रूट गोलंबर से ईटाढ़ी गुमटी तक निर्धारित किया गया है। अत्यावश्यक सेवाओं के लिए रहेगी छुट रोगियों, एंबुलेंस और अत्यावश्यक सेवाओं के वाहनों को प्रतिबंध से छूट दी गई है। रेलवे स्टेशन जाने वाले यात्रियों को टिकट साथ रखना होगा। शहर में 24 मार्च को सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक बड़े वाहनों का प्रवेश पूरी तरह बंद रहेगा। प्रशासन ने लोगों से अनावश्यक रूप से चारपहिया वाहनों का प्रयोग न करने की अपील की है। बक्सर पुलिस ने नागरिकों से ट्रैफिक नियमों का पालन करने और प्रशासन का सहयोग करने को कहा है। ये लोग होंगे शामिल लालमुनि चौबे जी के 9 वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन बक्सर के नगर भवन में किया जा रहा है।

रामनवमी-ईद को लेकर पुलिस अलर्ट

सासाराम। में आगामी त्योहारों को देखते हुए पुलिस प्रशासन सतर्क हो गया है। रविवार की देर रात करगहर चौक पर नगर थानाध्यक्ष राजीव रंजन राय के नेतृत्व में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस टीम ने पुरानी जीटी रोड और चौसा-सासाराम स्टेट हाइवे पर वाहनों की जांच की। इस दौरान कागजात, ट्रैफिक नियमों का पालन और शराबबंदी की जांच की गई। चेकिंग में एक लाख रुपए से अधिक का जुमार्ना वसूला गया।संदिग्ध व्यक्तियों की हो रही जांचएसपी रौशन कुमार ने बताया कि अपराध रोकने और अपराधियों

पर नियंत्रण के लिए सभी थानों को विशेष निर्देश दिए गए हैं। रामनवमी, रमजान-ईद और चैती छठ को देखते हुए संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की जा रही है। सभी थानों से नियमित रूप से इनपुट लेकर कार्रवाई की जा रही है।जिला मुख्यालय में ट्रैफिक लाइट लगे होने के बावजूद कुछ लोग नियमों का उल्लंघन कर रहे थे।

पिकअप ने रेलवे क्रॉसिंग के बूम में मारी टक्कर

समस्तीपुर।-दरभंगा रेलखंड पर रविवार शाम 6 बजे मुक्तापुर रेलवे क्रॉसिंग पर एक पिकअप ने गेट की बूम को तोड़ दिया। इस घटना से गुमटी का इनकमिंग और आउटर सिग्नल फेल हो गया।घटना उस समय हुई जब समस्तीपुर से दरभंगा जा रही एक सवारी गाड़ी की क्रॉसिंग होनी थी। गेटमैन द्वारा फाटक बंद किया जा रहा था। इसी दौरान गोदरेज सामान से लदे एक पिकअप ने गेट की बूम को टक्कर मार दी। चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। दो ट्रेनों का परिचालन बाधित RPF पोस्ट प्रभारी अभिनाश कुरेशिया ने बताया कि अनियंत्रित पिकअप की टक्कर से सिग्नल सिस्टम प्रभावित हुआ है। इससे दो ट्रेनों का परिचालन कुछ

समय के लिए बाधित रहा। RPF ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पिकअप को जब्त कर लिया। रेलवे अधिकारियों ने तत्काल मरम्मत कार्य शुरू किया। करीब दो घंटे बाद सिग्नल सिस्टम को बहाल कर दिया गया। इस दौरान मुक्तापुर गुमटी के पास जाम की स्थिति बन गई थी, जिसे RPF ने नियंत्रित किया। घटना की जांच जारी है।

जद (यू) युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश पदाधिकारी, संगठन प्रभारी एवं जिला अध्यक्षों की समीक्षात्मक बैठक सम्पन्न

पटना/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । जद (यू) प्रदेश कार्यालय के कपूर्री सभागार में जद (यू) युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश पदाधिकारी, संगठन प्रभारी एवं जिला अध्यक्षों की समीक्षात्मक बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष श्री नीतीश पटेल एवं मंच संचालन पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ राकेश भारती ने की। बैठक में पार्टी के आगामी कार्यक्रमों एवं राज्य के युवाओं को पार्टी के नीतिगत सिद्धांतों से जोड़ने पर विस्तृत चर्चा हुई। उक्त बैठक में जद (यू) के माननीय प्रदेश अध्यक्षउमेश सिंह कुशवाह, पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व सांसद वशिष्ठ नारायण सिंह, विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उपनेता ललन कुमार सर्राफ, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव मनीष कुमार वर्मा, राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद, मुख्य प्रवक्ता सह विधान पार्षद नीरज कुमार, प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी स्थापना चंदन कुमार सिंह, प्र-

कोष्ठों के प्रभारी प्रो. नवीन आर्य चंद्रवंशी, प्रदेश महासचिव संतोष कुशवाहा, अनिल कुमार, परमहंस कुमार, ललन मोहन प्रसाद, राजीव रंजन पटेल, प्रदेश प्रवक्ता अजित पटेल, निविता मिश्रा, अभय प्रताप सिंह, नगेन्द्र गिरि, जद (यू) युवा प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिव्यांशु भारद्वाज, श्याम पटेल एवं अंकित तिवारी सहित कई पदाधिकारी व कार्यकर्तागण मौजूद रहे।

युवक को कनपटी में मारी गोली,परिजन ने पुलिसकर्मी को पीटा

सीवान। में एक युवक के अपहरण के दो घंटे बाद ही उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। फिर उसका शव रविवार की रात गांव के एक सरकारी स्कूल के पास फेंक दिया गया। उसके शव को लेकर परिजन सदर अस्पताल पहुंचे, जहां घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस को देख परिजन आक्रोशित हो गए और एक पुलिसकर्मी की जमकर पिटाई कर दी। पुलिसकर्मी की पिटाई का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में कुछ लोग पुलिसकर्मी के साथ धक्का-मुक्की करते नजर आ रहे हैं। इसी दौरान पिंक टीशर्ट पहना युवक पुलिसकर्मी को थप्पड़ जड़ देता है। इसके बाद कर्मी किसी तरह अपनी जान बचाते हुए वहां से चला जाता है। परिजनों का आरोप है कि घटना के 4 घंटे बाद पुलिस पहुंची, जबकि 7 बजे ही युवक के अपहरण की जानकारी दी गई थी। मृतक की पहचान भगवान यादव के

बेटे विशाल यादव के रूप में हुई है। विशाल की हत्या के बाद परिजनों ने सीवान-गुठनी मुख्यमार्ग को जाम कर दिया है। घटना रविवार रात मैरवा के तितरा गांव की है।मृतक के परिजनों ने बताया, 'विशाल शाम 7 बजे ठेपहा बाजार जाने के लिए घर से निकले थे। इसी दौरान अपराधियों ने उनका अपहरण कर लिया। हमने तुरंत पुलिस को सूचना दी, लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही अपराधियों ने उसकी गोली मारकर हत्या कर दी।' रविवार रात 9 बजे स्कूल के पीछे किसी का शव मिलने की खबर आई। जिसके बाद परिजनों ने शव की पहचान की, और उसे सदर अस्पताल ले जाया गया। परिजनों का आरोप है कि पुलिस को बहुत पहले ही जानकारी दी गई थी, लेकिन पुलिस रात 11:30 बजे अस्पताल पहुंची। विशाल के परिजनों का दावा है कि, 'विशाल की पहले पिटाई की गई। फिर घसीटा गया है। जिसके कारण उसके पैर के नाखून उंगली से अलग हो गए थे। उसके बाद कान के पीछे गोली मारकर हत्या कर दी गई।' मृतक के पिता भगवान यादव

ने बताया, 'समय पर पुलिस कार्रवाई की होती तो मेरे बेटे की जान बच सकती थी।' स्थानीय लोगों का आरोप है कि सूचना मिलने के बावजूद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। अररिया पुलिस को 12 मार्च की रात वांटेड क्रिमिनल अनमोल यादव के बारे में सूचना मिली थी। अनमोल फुलकाहा बाजार एक शादी में शामिल होने आने वाला था। इस जानकारी पर पुलिस एक्टिव हुई। रात में ही छापेमारी के लिए फुलकाहा थाना पुलिस मौके पर पहुंचे। अरक ने अनमोल यादव को पकड़ भी लिया था, लेकिन कुछ अराजक तत्वों ने पुलिस पर हमला कर छुड़ा लिया। इसी दौरान छीना-झपट्टी में फुलकाहा थाने में पदस्थापित ASI राजीव रंजन जमीन पर गिर गए। जब उन्हें अस्पताल लाया गया, तो डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मुंगेर में 14 मार्च की रात अरक संतोष कुमार एक शराबी को पकड़ने गए थे। उन्हें सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति शराब पीकर हंगामा कर रहा है। पड़ोसी के साथ मारपीट भी की। इसके बाद अरकसंतोष कुमार अपने साथ एक ड्राइवर, एक और पुलिसवाले को लेकर गांव पहुंचे थे। पहले तो संतोष ने दोनों पक्षों को समझा दिया था। लेकिन जैसे ही एक पक्ष अपने घर पहुंचा, आरोपी ने अरककी सिर पर पीछे से रॉड से हमला कर दिया। जब तक अरक आरोपी को पकड़ पाते, आरोपी ने लगातार उन पर धारदार हथियार से हमला करना शुरू कर दिया। एक हफ्ते पहले सोनपुर में भी पुलिस टीम पर हमला किया गया था। जिसमें एक सहायक अवर निरीक्षक और दो सिपाही घायल हो गए। यह घटना जैतिया गांव में हुई, जहां दो पक्षों के बीच हो रहे झगड़े की सूचना पर पुलिस टीम पहुंची थी। वहां पहले से घात लगाए करीब एक दर्जन से अधिक लोगों ने पुलिस टीम पर ईंट-पत्थर और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमलावरों ने पुलिसकर्मियों से हथियार छीनने और उनकी वर्दी फाड़ने की भी कोशिश की।

संक्षिप्त डायरी

शराबबंदी हटना चाहिए, युवा बर्बाद हो रहे

आरा। बिहार में शराबबंदी को लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री राजकुमार सिंह ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने एक निजी कार्यक्रम के दौरान कहा कि बिहार में शराबबंदी हटा देना चाहिए। नौजवान बर्बाद हो रहे हैं। वो नशा करने लगे हैं। नौजवान घूम-घूमकर शराब बेच रहे हैं।

थाना प्रभारी और पुलिसकर्मी सभी भ्रष्टाचार में लिप्त होकर शराब बेचने के चक्कर में है। उन्हें कोई दूसरा काम समझ में ही नहीं आता। दरअसल, आरके सिंह रविवार शाम बड़हरा प्रखंड के सरैया में भीखम दास के मठिया प्रांगण में आयोजित एक किसान संगठन के कार्यक्रम में पहुंचे थे। वहां वो किसानों की समस्याओं को सुन रहे थे। इसी दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं भी शराबबंदी हटाने के लिए सहमत हूं।इस दौरान राज कुमार सिंह ने मंच से ही एक कार्यपालक अभियंता को फोन पर जेल भेजने की बात कही। बड़हरा प्रखंड में हो रहे टेंडर में गड़बड़ी के कारण राज कुमार सिंह आग बबूला हो गई। इसके बाद उन्होंने ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता को फोन पर जेल भेजने की धमकी दी। आरके सिंह ने कहा कि सुनने में आ रहा है किसी विधायक के कहने पर टेंडर मैनेज किया जा रहा है। ऐसे में अगर मुझे खबर लगी कि आप किसी विधायक के कहने पर टेंडर मैनेज कर रहे हैं, तो मैं लिखकर दे रहा हूं कि मैं तुम्हें जेल भेज दुंगा। कोई विधायक कहता है कि टेंडर मैनेज करो, तो कह दो कि मैं नहीं करूंगा। अगर दबाव बनाता है तो मुझसे कहो मैं देख लूंगा। आधे बूथ पर हमारा एजेंट नहीं था राज कुमार सिंह ने आगे कहा कि चुनाव में मुझे अपने मन से पौने पांच लाख लोगों ने वोट दिया। आधे बूथ पर हमारा एजेंट नहीं था। इसके बावजूद लोगों ने जाकर वोट दिया, अगर 25 हजार वोट इधर से उधर हो जाता तो हम जीत जाते। हो सकता है कि कुछ लोग हमसे नाराज हो या भ्रमित हो, लेकिन जो भी जिम्मेदारी मुझे प्रधानमंत्री के द्वारा दी गई, मैंने उसे अपने सच्चे मन से निभाई है। बिजली की सबसे बड़ी समस्या को हमने दूर करने का काम किया है।

बच्चा लेकर पड़ोसी के साथ भागी पत्नी

मुजफ्फरपुर। में एक शादीशुदा महिला रेखा देवी (30) अपने छोटे बेटे को लेकर पड़ोसी सनोज मुखिया के साथ भाग गई। पूरा मामला 21 मार्च का है, जहां रेखा अपने साथ 2 लाख 30 हजार रुपए और गहने

भी ले गई। रेखा के पति राजगीर मुखिया (32) ने बरियारपुर थाने में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। मामला जिले के बरियारपुर थाना क्षेत्र का है। दरअसल, बरियारपुर थाना क्षेत्र निवासी तिलक मुखिया का बेटा राजगीर मुखिया कोलकाता में मजदूरी करता है। पत्नी रेखा एक बेटे और दो बेटियों के साथ मुजफ्फरपुर में रहती थी। राजगीर समय-समय पर मुजफ्फरपुर आता-जाता रहता था। दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। इसी बीच राजगीर की पत्नी रेखा की पहचान पड़ोस के युवक सनोज से हो गई। धीरे-धीरे दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ी। वहीं शुक्रवार की देर रात रेखा, सनोज के साथ फरार हो गई। शनिवार सुबह परिजनों को घटना की जानकारी मिली।राजगीर ने बताया कि उसे जानकारी मिली थी कि पड़ोसी सनोज के साथ उसके पत्नी का प्रेम प्रसंग चल रहा है। इसके बाद वो कोलकाता से घर आया। गांव में पंचायती करवाई गई। इस दौरान सनोज ने धमकी दिया था कि होली के बाद उसकी पत्नी को उठा लेगा। वहीं शुक्रवार की रात पत्नी को लेकर फरार हो गया। इस मामले में बरियारपुर थाना अध्यक्ष चांदनी सांवरिया ने बताया कि ग्रामीणों के द्वारा मामले की जानकारी मिली थी। मौके पर 112 की टीम गई थी, लेकिन किसी पक्ष के द्वारा आवेदन नहीं दिया गया है। आवेदन मिलने के बाद आगे की कार्रवाई होगी।

स्कॉर्पियो की टक्कर से बाइक सवार की मौत

मोतिहारी। के बंजरिया थाना क्षेत्र के सिंघिया ओवरब्रिज के पास एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियों ने एक बाइक सवार युवक को टक्कर मार दिया। इस हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की

पहचान छतौनी थाना क्षेत्र के अमर छतौनी निवासी अभिषेक कुमार (29) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि अभिषेक एसबीआई क्रेडिट कार्ड में काम करता था। वह रक्सौल से ऑफिस के काम को निपटाकर मोतिहारी लौट रहा था। सिंघिया फ्लाईओवर पर एक अनियंत्रित स्कॉर्पियो ने उनकी बाइक को रॉन्ग साइड से टक्कर मार दी। इस हादसे में अभिषेक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक तीन भाइयों में सबसे बड़ा था और पूरे परिवार की जिम्मेदारी उसी के कंधों पर थी। वह दो बेटियों का पिता था और उनकी पत्नी वर्तमान में गर्भवती हैं। छोटे भाई की पढ़ाई से लेकर घर का पूरा खर्च अभिषेक ही उठाता था। पुलिस ने वाहन को किया जब्त बंजरिया थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दुर्घटनाग्रस्त स्कॉर्पियो को जब्त कर थाने लाया गया है और मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

4500 रुपए के विवाद में महिला की हत्या

मुंगेर। के बरियारपुर थाना क्षेत्र में एक सहकारी समिति के पैसों को लेकर हुए विवाद में एक महिला की मौत हो गई। घटना सीतारामपुर नजीरा के सीताराम काली स्थान के पास रविवार की शाम की है। मृतका की पहचान विक्रम सिंह की पत्नी दयावती देवी (30) के रूप में हुई है। इस घटना में साजन कुमार नाम का एक व्यक्ति भी घायल हुआ है। जिसका इलाज मुंगेर सदर अस्पताल में चल रहा है। भाई साजन कुमार ने बताया कि वह हिमाचल प्रदेश में मजदूरी करता है। वह गांव में कुछ लोगों के साथ मिलकर एक कॉपरेटिव समूह चलाता है। समूह के सदस्य हर महीने पैसे जमा करते हैं। साजन की दो किस्तें बकाया थीं। उसने 4500 रुपए अपनी बहन दयावती के माध्यम से समूह की संचालक राधा देवी को भेजे थे। समूह के पैसे को लेकर हुआ था विवाद राधा देवी का कहना था कि उन्हें पैसे नहीं मिले और उन्होंने खुद बकाया राशि जमा की है। रविवार को जब साजन गांव पहुंचा, तो इसी बात को लेकर राधा देवी और उनके परिवार से विवाद हो गया। राधा देवी का परिवार साजन से 4500 रुपए मांगने लगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हरियाणा में होगा आगमन, प्रदेश वासियों को देंगे 2 बड़ी परियोजनाओं की सौगात

14 अप्रैल को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर प्रदेश में आयोजित होगा राज्य स्तरीय समारोह

चंडीगढ़/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 अप्रैल को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे।इस अवसर पर प्रधानमंत्री प्रदेशवासियों को दो बड़ी परियोजनाओं की सौगात देंगे। इसमें यमुनानगर में 7272.06 करोड़ रुपये की लागत से दीनबंधु चौधरी छोटूराम थर्मल पावर प्लांट में 800 मेगावाट की नई इकाई का शिलान्यास तथा महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे, हिसार से हवाई सेवाओं का शुभारंभ करना शामिल है।मुख्यमंत्री ने यह जानकारी आज चंडीगढ़ में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए दी। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार, विपुल गोयल और कृष्ण कुमार बेदी भी उपस्थित रहे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि संविधान शिल्पी भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने दीन-दुखियों तथा पिछड़े वर्गों के जीवन के कल्याण व उत्थान के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने संविधान के माध्यम से समाज को एक सूत्र में पिरो कर नया मार्ग दिखाया। उनके जीवन से नई पीढ़ी को सीख व प्रेरणा देने के उद्देश्य से उनका जयंती समारोह आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे महापुरुष व संत-महात्मा समाज के लिए अमूल्य धरोहर हैं। इसलिए सरकार ने संतों व महापुरुषों के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रदेश में 'संत-महापुरुष विचार सम्मान एवं प्रसार योजना' चलाई हुई है।थर्मल पावर प्लांट में 800 मेगावाट की नई इकाई स्थापित होने से हरियाणा की घरेलू ऊर्जा उत्पादन क्षमता 3,382 मेगावाट तक बढ़ेगी मुख्यमंत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा हरियाणा पावर जनरेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीजीसीएल) को दीनबंधु चौधरी छोटूराम थर्मल पावर प्लांट, यमुनानगर में 800 मेगावाट की तीसरी इकाई स्थापित करने की अनुमति दी गई है। यह परियोजना यमुनानगर में दीनबंधु चौधरी छोटूराम थर्मल पावर प्रोजेक्ट में 2300 मेगावाट इकाइयों वाले मौजूदा संयंत्र का विस्तार है। इस परियोजना को पूरा करने के लिए की 52 महीने की समय सीमा तय की गई है, जबकि वाणिज्यिक संचालन 48 महीनों के अंदर शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इस इकाई से हरियाणा की घरेलू ऊर्जा उत्पादन क्षमता 3,382 मेगावाट तक बढ़ जाएगी। वर्तमान में राज्य में लगभग 14,000 मेगावाट बिजली उपलब्ध है, जिसमें से 2,582 मेगावाट एच.पी.जी.सी.एल. द्वारा उत्पन्न की जाती है। इस परियोजना को केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से क्लीयरेंस मिल चुकी है। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से भी इस परियोजना को लेकर मंजूरी मिल चुकी है।

महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे से हवाई सेवाओं का शुभारंभ

नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे, हिसार से हवाई सेवाओं का शुभारंभ भी करेंगे। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि हिसार में एकीकृत विमानन हब का निर्माण 7200 एकड़ क्षेत्र में किया जा रहा है। इसमें से 4200 एकड़ में हवाई अड्डे और 3000 एकड़ में समेकित विनिर्माण क्लस्टर (इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर) स्थापित किया जा रहा है। हवाई अड्डे की विकास योजना तीन चरणों में पूरी की जाएगी। पहले चरण का काम पूरा हो चुका है। इसमें एक टर्मिनल तैयार है। पहले चरण के काम पर 50 करोड़ रुपये की लागत आई है। दूसरे चरण में 3000 मीटर लम्बी हवाई पट्टी बनाई गई है, इससे 180 यात्रियों की क्षमता तक की एयरबस का संचालन किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि गत 13 जून, 2024 को 5 शहरों के लिए सेवा शुरू करने हेतु अलायंस एयर के साथ एम.ओ.यू. किया गया। जल्द ही पांच शहरों अयोध्या, जम्मू, जयपुर, अहमदाबाद व चंडीगढ़ के लिए ह-वाई सेवा शुरू की जाएगी। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा लाइसेंस के लिए केंद्रीय नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) को 23 जनवरी, 2025 को लाइसेंस के लिए आवेदन किया गया और 13 मार्च, 2025 को एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया को ला-इसेंस जारी कर दिया है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि गत 17 मार्च को अपने बजट भाषण में हिसार से अयोध्या, जयपुर, चण्डीगढ, अहमदाबाद व जम्मू के लिए ह-वाई सेवा प्रारम्भ करने की घोषणा की थी। महाराजा अग्रसेन हिसार हवाई अड्डे से हवाई सेवाएं शुरू होने से इन सब शहरों के लिए हवाई सेवा शुरू की जाएंगी।

मुख्यमंत्री सैनी ने हाई पावर वर्क्स परचेज कमेटी बैठक की अध्यक्षता की, बैठक में 109.30 करोड़ रुपये के अनुबंधों को मंजूरी दी गई

गुणवत्ता से किसी भी हालत में समझौता नहीं किया जाएगा: नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। पानीपत नगर निगम क्षेत्र में 17.85 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक अग्निशमन केंद्र स्थापित किया जाएगा। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज हाई पावर वर्क्स परचेज कमेटी (एचपीडब्ल्यूसी) बैठक की अध्यक्षता की है। बैठक के दौरान 109.30 करोड़ रुपये के अनुबंधों को मंजूरी दी। बैठक के दौरान विभिन्न बोलीदाताओं के साथ नेगोशिएशन के परिणामस्वरूप 6.92 करोड़ रुपये की महत्वपूर्ण लागत बचत हुई। बैठक में हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री श्री विपुल गोयल भी मौजूद थे। यमुनानगर में स्मार्ट लाइटिंग सिस्टम के लिए 16.50 करोड़ रुपये की लागत से नई एलईडी लाइट लगाने और मौजूदा स्ट्रीट लाइटों को एलईडी स्ट्रीट लाइटों से बदलने के साथ-साथ एक केंद्रीकृत नियंत्रण और निगरानी प्रणाली (सीसीएमएस) पैनल को भी मंजूरी दी गई। इसके अतिरिक्त, अंबाला नगर निगम की सीमा के भीतर एक स्मार्ट स्ट्रीट लाइट सिस्टम के कार्यान्वयन को मंजूरी दी गई, जिसमें पारंपरिक स्ट्रीट लाइटों को बदलना और केंद्रीकृत नियंत्रण और निगरानी प्रणाली (सीसीएमएस) के साथ एकीकृत नई एलईडी ल्यूमिनेयर स्थापित करना शामिल है, जिसकी लागत 14.70 करोड़ रुपये है। इसी तरह, करनाल नगर निगम के अंतर्गत मेरठ रोड से उधम सिंह चौक वाया सामुदायिक केंद्र, सेक्टर-9 और बाजार क्षेत्र (मेरठ रोड से साईं मंदिर और चौक, साईं मंदिर से नूर महल चौक और चौक, नूर महल चौक से उधम सिंह चौक और उधम सिंह चौक से सामुदायिक केंद्र) तक सड़क को 7.90 करोड़ रुपये की लागत से मजबूत करने को भी मंजूरी दी गई। बैठक में स्मार्ट सिटी मिशन के तहत ईपीसी मोड पर करनाल के कैलाश स्थित हॉकी स्टेडियम के लिए 13.25 करोड़ रुपये की लागत से छात्रावास ब्लॉक के निर्माण को भी मंजूरी दी गई। इस-के अतिरिक्त, फरीदाबाद में स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत 18.10 करोड़ रुपये की लागत से दो कोलेटरल सड़कों- शनि मंदिर रोड और सेक्टर-28 मेन रोड के विकास को भी मंजूरी दी गई। इसके अलावा, पलवल नगर परिषद क्षेत्र में 9.93 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न गलियों और नालियों के निर्माण तथा नगर परिषद होडल के वार्ड 20 और 21 में नव नियमित कॉलोनी-154 में 11.07 करोड़ रुपये की लागत से आईपीबी गली और नाले के निर्माण को भी मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरे किए जाएं, साथ ही कहा कि किसी भी देरी के लिए संबंधित ठेकेदार और अधिकारी जिम्मेदार होंगे। उन्होंने निर्माण में गुणवत्ता वाली सामग्री के उपयोग को सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी परिस्थिति में गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जाएगा। बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरूण कुमार गुप्ता, शहरी स्थानीय निकाय विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री विकास गुप्ता, संबंधित नगर निगम के आयुक्त एवं मुख्य अभियंता तथा शहरी स्थानीय निकाय विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है, वे केवल लोगों को गुमराह कर राजनीतिक स्वार्थ साधने का काम करते हैं- मुख्यमंत्री

चंडीगढ़/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है, वे केवल लोगों को गुमराह कर राजनीतिक स्वार्थ साधने का काम करते हैं। कांग्रेस नेता देश के बारे में नहीं बल्कि स्वयं के बारे में सोचते हैं कि कैसे उनकी कुर्सी सुरक्षित रहे। मुख्यमंत्री आज चंडीगढ़ में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार, विपुल गोयल और कृष्ण कुमार बेदी भी उपस्थित रहे। नायब सिंह सैनी ने लोकसभा में वक्फ बोर्ड पर लाए गए बिल के संबंध में कहा कि इस पर राजनीति नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सीएए पर भी लोगों को गुमराह करने का काम किया। जबकि वो नागरिकता प्रदान करने का कानून था। कांग्रेस द्वारा लोगों को केवल मात्र वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल करना दुर्भाग्यपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार लोगों के जीवन को सरल करने के लिए निरंतर नए-नए निर्णय ले रही है। इसी कड़ी में छोटे व्यापारियों को राहत देने के लिए गत दिवस ही वन टाईम सेटलमेंट स्कीम शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार का ध्येय है कि प्रदेश, देश और प्रत्येक व्यक्ति विकास के पथ पर आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निकाय चुनावों के बाद ट्रिपल इंजन की सरकार बनी है और अब जमीनी स्तर पर सभी संकल्प तय समय में पूरे किए जाएंगे।

गर्मियों में पंजाबियों को मिलेगी बड़ी राहत! पावरकॉम ने अभी से खींची तैयारी

हालांकि गर्मियों के सीजन में बिजली की डिमांड पूरी करना पावरकॉम विभाग के लिए एक बड़ा टास्क माना जा रहा है।

लुधियाना : आगामी गर्मियों के सीजन दौरान शहर वासियों को निर्विघ्न बिजली की सप्लाई मुहैया करवाने के लिए पावरकॉम के चीफ इंजीनियर जगदेव सिंह हांस की अगवाई में विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की विभिन्न टीमें सड़कों पर उतरकर लगातार काम कर रही है ताकि भीषण गर्मी के दौरान आम जनता को बिजली संबंधी समस्याओं का सामना न करना पड़े। हालांकि गर्मियों के सीजन में बिजली की डिमांड पूरी करना पावरकॉम विभाग के लिए एक बड़ा टास्क माना जा रहा है जिसमें विभाग के लिए सबसे बड़ी चुनौती धान के सीजन दौरान किसानों को बिजली की निर्विघ्न सप्लाई व्यवस्था मुहैया करवाना रहता है। वहीं दूसरी ओर आम जनता और व्यापारी वर्ग में भी गर्मियों के सीजन दौरान बिजली की डिमांड कई गुना अधिक बढ़ जाती है।

गौरतलब है कि मौजूदा समय दौरान शहर के लगभग सभी हिस्सों में पावरकॉम द्वारा बिजली की लाइनों, ट्रांसफॉर्मर और फीडरों की जरूरी मुरम्मत के मकसद से कई घंटे के लंबे कट लगाए जा रहे हैं। उच्चाधिकारी खुद सड़कों पर उतर कर रहे काम

उक्त मामले को लेकर पावरकॉम के चीफ इंजीनियर जगदेव सिंह हांस, डिप्टी चीफ इंजीनियर ईस्ट सुरजीत सिंह और डिप्टी चीफ इंजीनियर वैस्ट कुलविंदर सिंह ने बताया है कि गर्मियों में धान की फसल की बिजाई और शहरवासियों को बिजली की निर्विघ्न सप्लाई व्यवस्था मुहैया करवाने के लिए उनकी टीमों द्वारा युद्धस्तर पर काम किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि विभाग के उच्चाधिकारी खुद सड़कों पर उतरकर दिन-रात एक करने में जुटे हुए हैं। पावरकॉम विभाग द्वारा करोड़ों रुपए खर्च कर शहर के प्रत्येक हिस्से में बिजली की खस्ताहाल तारों को बदलने सहित सैंकड़ों बड़ी क्षमता वाले ट्रांसफॉर्मर स्थापित किए जा रहे हैं।

गांव के गुरुद्वारा साहिब में आधी रात करनी पड़ गई अनाउंसमेंट

समराला : समराला के नजदीकी गांव टोडरपुर में बीती रात 2:00 बजे गांव के एक घर की छत पर जंगली जानवर चीता दिखाई दिया।

इसके बाद गांव में दहशत का माहौल बन गया। इसकी सी.सी.टी.वी. फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। आधी रात 3:00 गांव वासी इकट्ठा हो गए और गांव वासियों ने गांव के गुरुद्वारा साहिब के लाउडस्पीकर से गांव में अनाउंसमेंट करवाई कि गांव में जंगली जानवर चीता आ गया है। इसके लिए अपना, अपने बच्चों और अपने पालतू जानवरों का ध्यान रखें। इसकी सूचना समराला पुलिस और संबंधित विभाग को दी गई। समराला पुलिस सुबह-सुबह गांव पहुंच गई। गांव वासी सोनू ने बताया कि बीती रात करीब 12:00 बजे घर के बाहर कुत्तों के भौंकने की आवाज सुनकर उसकी नींद खुली और जब रात करीब 2:00 बजे उसे अपने कोठे के पास किसी जानवर के चलने की आवाज सुनाई दी तो वह तुरंत बाहर आया और देखा कि एक तेंदुआ जैसा जानवर भाग रहा है।

उसने तुरंत अपने सी.सी.टी.वी खंगाले और देखा कि चीता उसके कोठे में करीब 12 मिनट तक रहा और उसके बाद वह कहीं चला गया। सोनू ने बताया कि एक दिन पहले गांव में 2 कुत्तों के भी खाए हुए शव मिले थे, जिससे पता चलता है कि तेंदुआ 1-2 दिन से उनसे गांव में घूम रहा है। मौके पर पहुंचे एस.एच.ओ. समराला पवितर सिंह ने बताया कि सी.सी.टी.वी. में तो यह चीते की तरह लग रहा है।

उन्होंने वन विभाग वाइल्डलाइफ को इसकी सूचना दे दी है और संबंधित विभाग आकर इसकी जांच करेगा। उन्होंने कहा कि हमने गांव में अनाउंसमेंट भी कर दी है कि गांव वासी अपने बच्चों और पशुओं का विशेष ध्यान रखें।

कठुआ मुठभेर के बाद पंजाब में जारी हुआ हाई अलर्ट, चप्पा-चप्पा खंगाल रहे सुरक्षाबल

हीरानगर: कठुआ जिले के हीरानगर सेक्टर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा से सटे सन्याल इलाके में आर्तकियों की सूचना के बाद सुरक्षाबलों ने सोमवार सुबह व्यापक सर्च ऑपरेशन शुरू किया। रविवार देर शाम स्थानीय लोगों ने इलाके में कुछ संदिग्ध आर्तकियों को देखने की सूचना सुरक्षा एजेंसियों को दी थी, जिसके बाद सेना और पुलिस ने संयुक्त अभियान छेड़ दिया। सुरक्षा सूत्रों के अनुसार संदिग्ध आर्तकियों की मूवमेंट हीरानगर सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा (आई.बी.) के करीब देखी गई थी। इसके बाद पूरी रात चौकसी बढ़ा दी गई और सोमवार तड़के ही इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया गया। आर्तकियों की हर गतिविधि पर नजर रखने के लिए सुरक्षाबलों ने इलाके में ड्रोन तैनात कर दिया है, जिससे पूरे क्षेत्र की सघन निगरानी की जा रही है।

वहीं स्थिति को नियंत्रित रखने के लिए सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेर लिया है और ड्रोन की मदद से गांव और आसपास के जंगलों में निगरानी बढ़ा दी गई है ताकि आर्तकियों की सटीक लोकेशन का पता लगाया जा सके और उन्हें भागने का कोई मौका न मिले। सुरक्षाबलों ने इलाके में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत जानकारी देने की अपील की है।

पंजाब से सटे सीमावर्ती जिलों को भी हाई अलर्ट पर रखा गया है, जिससे किसी भी तरह की घुसपैठ या आतंकी मूवमैंट पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। सेना और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए हैं।

खबर एक्सप्रेस

पंजाब विधानसभा में गूंजा सरकारी बसों का मुद्दा, सफर करने वाले यात्री दें ध्यान

पंजाब : पंजाब विधानसभा सरकारी बसों का मुद्दा उठाया गया। सदन में फाजिल्का के विधायक नरिंदरपाल सवाना ने फाजिल्का में सरकारी बसों की कमी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि यहां सरकारी बसों की कमी के कारण लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। इस दौरान उन्होंने परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर से सवाल किया कि फिरोजपुर से फाजिल्का और फाजिल्का से फिरोजपुर के लिए बसों की संख्या कब बढ़ाई जाएगी। इसे लेकर जवाब देते हुए लालजीत सिंह भुल्लर ने बताया कि फिलहाल फाजिल्का से फिरोजपुर के लिए आखिरी बस शाम 7 बजे चलती है तथा फिरोजपुर से फाजिल्का के लिए आखिरी बस शाम 8.15 बजे चलती है। यह एक मोनोपॉली रूट है और यहां केवल निजी बसें ही चल सकती हैं। यहां सरकारी सों को परमिट नहीं दिया जा सकता। वहीं जरुरत पड़ी तो यहां बसों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इस पर विधायक सवना ने सवाल उठाया कि अगर फाजिल्का से चंडीगढ़ के लिए 3 ऑर्बिट बसें चलाई जाएं तो सरकारी बसें भी चलाई जा सकती हैं। मंत्री भुल्लर ने कहा कि बादल सरकार के दौरान इन बसों को गलत तरीके से परमिट जारी किए गए थे, जिसका मामला हाईकोर्ट में चल रहा है। इन 73 निजी बसों के परमिट रद्द कर दिए जाएंगे तथा बसें बंद हो जाएंगी। इसके बाद यहां सरकारी बसें चलेंगी और उनकी संख्या बढ़ाई जाएगी।

पंजाब विधानसभा में हंगामा! कांग्रेस ने किया वॉकआउट

पंजाबः पंजाब विधानसभा के बजट सत्र के दौरान एक बार फिर हंगामा हो गया और माहौल गर्मा गया। हंगामे के बीच कांग्रेस के विधायक सदन से वॉकआउट कर गए। विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां के रवैये की निंदा की है। दूसरी ओर कांग्रेस विधायक राणा गुरजीत सिंह ने वॉकआउट में हिस्सा नहीं लिया और सदन में बैठे रहे। विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने कहा कि बीते दिनों विधायक परगट सिंह के साथ स्पीकर ने बदसलूकी की और आज हमें बोलने का समय नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से कुछ चुनिंदा सदस्यों को बोलने का मौका नहीं दिया जा रहा है।

बैष्णो देवी जाने वाले श्रद्धालुओं को नहीं आएगी कोई दिक्कत, बोर्ड ने लिया यह फैसला

जम्मू : माता वैष्णो देवी जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बोर्ड ने एक फैसला लिया है। दरअसल, धीरे-धीरे श्रद्धालुओं की आमद बढ़ती जा रही है। इस दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की दिक्कत न हो इसके चलते उन्हें हर सुविधा दी जा रही है। कटड़ा में सभी पंजीकरण केंद्र खोल दिए गए हैं। वहीं सुबह 4 बजे से लेकर रात 10 बजे तक पंजीकरण करवाने की सुविधा दी जा रही है।श्रद्धालुओं में माता वैष्णो देवी के दर्शन करने का काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। माता के दर्शन करने वालों की लंबी-लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई हैं। वहीं श्रद्धालुओं की बढ़ती आमद को देखकर उनकी सुरक्षा के लिए माता वैष्णो देवी भवन और सभी रास्तों पर प्रशासन, पुलिस और सी.आर.पी.एफ. के जवान तैनात हैं।माता वैष्णो देवी के दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं हो रही। सभी सुविधाएं उन्हें प्रदान की जा रही हैं। इसके अलावा, बैटरी कार सेवा, हेलीकॉप्टर सेवा, घोड़ा, पिट्ठू, रोपवे कार सेवा के जरिए बड़े आराम से और बिना किसी परेशानी के श्रद्धालु माता रानी के दर्शन कर रहे हैं।

भंडारे के मौके पर लाखों की संख्या में संगत पहुंची डेरा ब्यास, जानें अब कब होगा अगला सत्संग

बाबा बकाला साहिबः राधा स्वामी डेरा ब्यास में भंडारे के मौके पर दूर-दूर से संगत की भारी भीड़ देखने को मिली। संगत ने डेरा ब्यास के प्रमुख बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों द्वारा फरमाए गए सत्संग का आनंद लिया गया। इस मौके पर बाबा गुरिंदर सिंह ने स्पष्ट किया कि किसी व्यक्ति को दुख देने वाला खुद कभी भी सुखी नहीं रह सकता। सत्संग के दौरान बाबा गुरिंदर सिंह ने सारी संगत को इंसानियत के नाते भाईचारा बनाए रखने की प्रेरणा दी, वहीं नाम शब्द की कमाई करने पर भी जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह मनुष्य जीवन पता नहीं कितने जन्मों के बाद मिला है। हमें इस जीवन का आनंद लेना चाहिए तथा हमें अपने जीवन में उस परमात्मा से जुड़ने का भी मौका मिला है जिसे संभालने की जरुरत है। भंडारे के मौके पर डेरा ब्यास में 6 लाख से अधिक संगत पहुंची। सत्संग के दौरान हजूर जसदीप सिंह गिल भी उपस्थित थे। सत्संग के अंत में डेरा प्रमुख ने समस्त संगत से अनुरोध भी किया कि अगला सत्संग 30 मार्च को होगा तथा जो भी आना चाहे वह बड़ी खुशी से आ सकता है।

घर के बाहर ट्राली चोरी करने के मामला, हुई यह कार्रवाई

लुधियाना : थाना मेहरबान की पुलिस ने गांव नूरवाला के रहने वाले गुरदीप सिंह ग्रेवाल की शिकायत पर उसके घर के बाहर खड़ी ट्राली को चोरी करने वाले आरोपी युवराज सिंह वासी बागेवाल जालंधर और अर्शदीप सिंह वासी मडं चौनता के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।थाना प्रभारी इंस्पेक्टर गुरप्रीत सिंह हांडा ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करके आगे की जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि आरोपी अभी तक फरार है जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

इस जिले में जल्द बनेगा फूड हब

चंडीगढ़: पंजाब विधानसभा के बजट सत्र की कार्यवाही के दौरान कैबिनेट मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद ने कहा कि पंजाब में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ऐतिहासिक स्मारकों के रखरखाव के लिए लगातार काम किया जा रहा है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि इसके मद्देनजर बठिंडा की झीलों पर फूड हब बनाने का फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है। मंत्री ने कहा कि डी.सी. स्तर पर एक पूर्ण प्रस्ताव तैयार कर विभाग को भेजा जाए तथा जब विभाग को यह प्रस्ताव प्राप्त होगा तो उस पर अवश्य ही कोई उचित कार्यवाही की जाएगी।

कुछ ऐसी चीजें जो हमारे जीवन में इस तरह से घुल-मिल गई हैं कि पता ही नहीं चलता कि उसका नाता भारत से नहीं है। कुछ ऐसी चीजें जो हमारे जीवन में इस तरह से घुल-मिल गई हैं कि पता ही नहीं चलता कि उसका नाता भारत से नहीं है। क्या तुम्हें पता है कि समोसे जैसी फेमस चीज जो तुम अक्सर खाया करते हो उसका ऑरिजिन भारत नहीं है। ऐसी ही कुछ और चीजें जो देश में कहीं और से आईं लेकिन इस देश का हिस्सा बन गई।

भारत ऑरिजिन की नहीं है, देश का हिस्सा बनी ये चीजें

समोसा

यह ट्रायंगल तो सारे बच्चों का प्यारा है या यूं कहें कि बड़ों के मुंह में भी इसको देखकर पानी आ जाता है। क्या तुम्हें पता है कि समोसा भारत की उपज नहीं है। प्राचीन काल में सेंट्रल एशिया के जिन रास्तों से व्यापार हुआ करता था वहां से होता हुआ यह भारत पहुंचा। दरअसल इस ट्रायंगल स्नैक्स को बनाना सबसे आसान होता है और रात को मुसाफिर जब रास्तों में हॉल्ट करते हुए आते थे तो समोसों को कैंपफायर के आस-पास भी तैयार कर लिया करते थे।

आलू

सब्जियों का राजा माना जाने वाला आलू सब्जियों में बच्चों की पहली पसंद है। इसके बिना तो सब्जी या किसी स्नैक की कल्पना करना ही थोड़ा मुश्किल लगता है! लेकिन क्या तुम्हें पता है कि आलू मात्र चार सौ साल पहले ही हमारे देश में आया और यहां तक कि टमाटर का इस्तेमाल भी देश में पहली बार 19वीं शताब्दी में किया गया था।

क्रिकेट

इंग्लैंड में जन्मा यह खेल आज भारत में गली-गली का खेला जाता है। यहां तक कि आईसीसी की इनकम में भारत की कमाई की भागीदारी 70 से 80 प्रतिशत तक है। देश में क्रिकेट सबसे पॉपुलर खेलों में से एक है।

राजमा

पंजाबी डिशेज की लिस्ट राजमा के बिना अधूरी मानी जाती है। बड़े चाव से राजमा, चावल खाने वालों को यह जानकर आश्चर्य होगा कि यह अपने देश में नहीं बल्कि कोलोनियल अमेरिका में पैदा हुआ है। किडनी बीन्स यानी राजमा को 8000 साल पहले एकेडियन किसानों ने लुसियाना में उपजाया था।

हैंड नीटिंग

सर्दियों के मौसम में अपने घरों में भी तुमने मम्मी या दादी, नानी को हाथों से बुनाई करते हुए देखा होगा। जो कई तरह के स्वेटर तुम्हारे लिए तैयार करती होंगी।

तुम्हें लगता होगा कि यह परंपरा पीढ़ी दर पीढ़ी देश में आगे बढ़ी होगी लेकिन ऐसा नहीं है, क्योंकि हाथों से बुनाई का काम अपने देश की कला नहीं बल्कि इजिप्ट से यहां आया था।

सिल्क

तुम्हारी मम्मी के पास भी सिल्क की साड़ियां जरूर होंगी? क्या तुम्हें पता है कि यह सिल्क हमारे देश की नहीं है, बल्कि कई सदियों पहले चीन के व्यापारी इसे यहां लाए थे। हमारे यहां मिलने वाले सिल्क वॉर्म वही पहले चाइनीज पेयर थे जिनसे सिल्कवॉर्म की संख्या बढ़ाई गई।

पतंग

दो हजार साल पहले पतंगों को चीन में तैयार किया गया था। अब तो भारत में गांव के बच्चों के खेल का यह हिस्सा बन गया है तो शहरों में व्रत-त्योहार के मौके पर लोग रंग-बिरंगी पतंगें उड़ाकर अपनी खुशी का इजहार करते हैं।

चाय

सुबह की शुरुआत तुम्हारे घर में भी चाय की चुस्कियों के साथ होती होगी। लेकिन देश का मुख्य पेय चाय भी चीन से यहां पहुंचा है।

कागज पर उतारो पत्तियां

आजकल वॉटर कलर डेकोरेशन और डिजाइन में इस्तेमाल हो रहा है लेकिन हम इस वॉटरकलर को पत्तियां बनाने के लिए प्रयोग करेंगे। इससे तैयार पत्तियां एक बेहतरीन आर्ट वर्क की तरह नजर आती हैं।

किन चीजों की होगी जरूरत

- वॉटरकलर सेट
- विभिन्न प्रकार के वॉटर कलर ब्रशेस
- गार्डन से तोड़ी हुई अलग-अलग प्रकार की पत्तियां

बनाओ कलर पैलेट

सबसे पहले तो अपना एक कलर पैलेट तैयार करो और उसकी टेस्टिंग पेपर के अलग-अलग टुकड़ों पर करो। जब तक तुमको अपना पसंदीदा शेड ना मिल जाए तब तक पैलेट तैयार करते रहो ताकि जब तुम पत्तियों को उससे ड्रॉ करो तो वो बिल्कुल असली नजर आएं।

कौन-कौन से कलर

परमानेंट सैप ग्रीन, ग्रीन ब्लू शेड, रॉ एंबर, ब्लू ग्रीन, बर्न्ट सिएना। बाकी शेड अन्य कलर्स के मिक्सचर से तैयार किए जा सकते हैं।

डूडलिंग करना तो हर किसी को भाता है लेकिन क्या कभी सीरियस पेंटिंग के बारे सोचा है। अरे तुम्हें पेंटर बनाने की बात नहीं कर रहे, यदि तुम्हें भी रंगों से प्यार है और कुछ न कुछ बनाते रहना तुम्हारी हॉबी है तो क्यों ना कुछ क्रिएटिव किया जाए। आओ मिलकर वॉटर कलर के जरिए लीविंग लीव्स को कागज पर उतारें, सोच में पड़ गए! चलो इसे करके देखते हैं।

इस तरह दो अपनी पत्तियों को आकार

- सबसे पहले लाइट स्केच तैयार करो और फिर इसे भीगे ब्रश से अंदर की ओर भरो। इससे तुम्हें कलर के फर्स्ट लेयर को फैलाने में मदद मिलेगी।
- तुमने ग्रीन का जो शेड तैयार किया है उसका सबसे हल्का शेड प्रयोग करो।
- पहली लेयर के सूख जाने के बाद दूसरी लेयर बनाओ जो सबसे हल्के शेड की हो। अब डार्क शेड की दूसरी लेयर लगाओ और उसे फिर सूखने दो।
- पेपर को थोड़ा तिरछा कर दो और पेंट को पेंट की हुई पत्ती के टिप तक पहुंचने दो। इसके सूख जाने के बाद ग्रीन की एक और लेयर इस पर लगाओ।
- वॉटर कलर में यह चीज स्पष्ट नजर आती है इसमें जितने लेयर्स में कलर लगाए जाते हैं इमेज उतनी ही क्लियर नजर आने लगती है।
- अपने ब्रश को पानी में डुबाकर उसे पत्ती के ऊपर फिराओ। जब यह हल्का गीला रहे तो उसके ऊपर रॉ एंबर कलर का हल्का शेड पत्ती के लाइट साइड पर लगाओ।
- कलर जब हल्के गीले हों तो अपने ब्रश पर बर्न्ट सिएना कलर को पत्ती के ऊपर टपकाओ। तुम देखोगे कि कलर्स एक-दूसरे पर चढ़े हुए नजर आएंगे।
- अब पत्ती के अलग-अलग हिस्से पर कलर टपकाओ।
- भीगे हुए पतले ब्रश से पत्ती पर वेन्स बनाओ और साथ ही पत्तियों की डिटेल उस पर ड्रॉ करो।
- ऐसा तुम कई पत्तियों के साथ कर सकते हो।

कैसे बनते हैं स्नोफ्लैक्स?

उन जगहों पर जहां चारों ओर बर्फ की चादर बिछी हो और हर तरफ सिर्फ एक ही रंग नजर आता हो..सफेद। इन्हें कहते हैं स्नोफ्लेक्स।

उन जगहों पर जहां चारों ओर बर्फ की चादर बिछी हो और हर तरफ सिर्फ एक ही रंग नजर आता हो़सफेद। इस बीच कहीं-कहीं कुदरत की ऐसी कलाकारी नजर आती है कि उसे कैमरे में कैद किए बिना नहीं रहा जा सकता। ये हैं स्नोफ्लेक्स या बर्फ की पपड़ी। स्नोफ्लैक्स की सबसे अनोखी बात ये है कि इनमें से किसी का भी आकार एक-दूसरे से मेल नहीं खाता है। हरेक आकृति यूनिक होती है। इनको देखकर ऐसा जान पड़ता है कि किसी ने क्रिस्टल के जरिए सुंदर आकृति तैयार की है लेकिन ये तो प्रकृति की कारीगरी है। इनके यूनीक शेप के कारण ही दुनियाभर के फोटोग्राफर्स बेस्ट स्नोफ्लैक्स की तस्वीरें लेने की तैयारी में रहते हैं।

कुदरत की कारीगरी

स्नोफ्लैक्स बनने की शुरुआत छोटे-छोटे डस्ट पार्टिकल्स या पॉलेन पार्टिकल्स के वॉटर वेपर के संपर्क में आने से होती है। ये वॉटर वेपर इन पार्टिकल्स के ऊपर इकठ्ठी हो जाती हैं और जब ठंडे वातावरण में ये जमती हैं तो छोटे-छोटे आइस क्रिस्टल जैसे नजर आने लगते हैं। ये छोटे-छोटे क्रिस्टल सीड्स की तरह होते हैं जिनसे स्नोफ्लैक्स का जन्म होता है। तुम्हें यह जानकर आश्चर्य होगा कि ये छोटे आइस क्रिस्टल नेचुरली अरेंज होकर हेक्सागोनल यानी सिक्स साइडेड स्ट्रक्चर बना लेते हैं। इस तरह के सिक्स साइडेड आइस क्रिस्टल ही 'स्नोफ्लैक्स'' कहलाते हैं। चूंकि स्नोफ्लैक्स के आस-पास की हवा से ये अधिक वजनदार होते हैं इसलिए कुछ समय में अपने-आप गिरना भी शुरू हो जाते हैं।

हर स्नोफ्लै है डिफरेंट

यूं सारे स्नोफ्लैक्स हेक्सागॉनल होते हैं लेकिन इनकी जियोमैट्री अलग-अलग होती है। डिफरेंट टेम्परेचर और हृयूमिड कंडीशन से होकर जब स्नोफ्लैक्स नीचे गिरते हैं तो उनके शेप भी डिफरेंट हो जाते हैं। किसी में नुकीले आर्म्स निकले रहते हैं तो किसी में बहुत ही चौड़े। स्नोफ्लैक्स का निर्माण पृथ्वी पर काफी ऊंचाई पर होता है इसलिए जमीन पर इसका स्नो के रूप में नीचे गिरना हर बार हो ऐसा नहीं है। यह तभी हो सकता है जब हवा का टेम्परेचर फ्रीजिंग से कम हो।

केक की टॉपिंग पर स्नोफ्लैक्स

स्नोफ्लैक्स के अलग-अलग मजेदार शेप्स के कारण कई पार्टीज का इसे हिस्सा बनाया जा रहा है, वो भी केक को सजाने के लिए। अब तो स्नोफ्लैक्स के शेप को आर्टिफिशियल रूप से तैयार किया जाने लगा है। लोग अपनी पसंद के अनुसार डिफरेंट शेप वाले स्नोफ्लैक्स से भरी बोटल खरीदते हैं और केक को और भी मजेदार ढंग से प्रेजेंट करते हैं।

तीन सेर चावल

पुराने जमाने की बात है। किसी गांव में मोहन नाम का एक लड़का रहता था। वह बहुत शैतान था। हर दिन उसकी शिकायतें उसके माता-पिता को सुनने को मिलतीं।

पिता ने मोहन को विद्यालय भेज दिया, लेकिन उसकी शरारतों से शिक्षक भी बहुत दुखी हो गए। उस पर अपने शिक्षक की बातों का भी कोई असर नहीं होता था।

मोहन कई बार बच्चों की सीट के नीचे चींटियां छोड़ देता, जिससे वे ठीक से पढ़ न पाते। बच्चे उसके डर से उसकी शरारतों के बारे में अपने शिक्षकों से भी शिकायत न करते। एक दिन तंग आकर मास्टरजी ने उसे विद्यालय से निकाल दिया।

उस जमाने में जंगल अधिक थे। चारों ओर पेड़-पौधों की भरमार थी। अब मोहन जंगल में जाकर पेड़-पौधों का ध्यान करता, पानी देकर सींचता। घर में उसका मन नहीं लगता था। उसकी चिंता में मां परेशान रहतीं।

मोहन के गांव में एक बूढ़ा आदमी भीख मांगने आता था। वह उसे भी बहुत तंग करता। कभी उसका थैला छीनकर उसमें रखी रोटी निकालकर जानवरों को खिला देता, तो कभी बूढ़े पर पानी डाल देता। लेकिन बूढ़ा उसके गांव में जरूर आता। लोग उससे पूछते कि इतना तंग होने के बाद भी वह इस गांव में भीख मांगने क्यों आता है? वह सबको एक ही उत्तर देता, मोहन बच्चा है। बच्चे शरारत नहीं करेंगे, तो क्या हम बड़े लोग करेंगे? उसकी बात सुनकर लोग चुप हो जाते।

इस प्रकार कई महीने बीत गए। एक दिन मोहन किसी गांव से आ रहा था। उसे घर पहुंचने की जल्दी थी। किसी किसान ने अपनी फसल की रक्षा के लिए नागफनी की बाड़ लगा रखी थी। रास्ते में नागफनी के कांटे गिरे हुए थे। उसकी नजर उन कांटों पर पड़ी। उसने सोचा कि वह एक-दो नागफनियों को लेकर रास्ते पर डाल दे, तो बड़ा मजा आएगा। उसने दो नागफनियों को उठा लिया और उन्हें घास के नीचे छिपा दिया। फिर घर चला आया।

दो-तीन दिन बीत गए। आज वह स्वयं उसी रास्ते से जा रहा था। उसी रास्ते से बूढ़ा भिखारी भी आ रहा था। मोहन को शरारत सूझी। उसने कहा, जरा थैला दिखाना। भिखारी ने उसे थैला दे दिया। उसमें एक फटी धोती थी। दो रोटियां भी थीं। वह थैले को लेकर उछालने लगा कि अब वह थैला नहीं देगा।

भिखारी उसके करीब आता, तो वह दौड़कर थोड़ी दूर भाग जाता।

इसी भाग-दौड़ में अचानक सूखी नागफनी पर मोहन का पांव पड़ गया। उसके पूरे तलवे में कांटे चुभ गए। वह अचानक एक ओर लुढ़क गया। थैला उसके हाथ से छूट गया। भिखारी मोहन के पास आया। वहां उसने अपनी लाठी से घास हटाई, तो उसे एक और नागफनी नजर आई। उसने उसे भी डंडे से दूर हटा दिया और मोहन के पास बैठकर पांव से कांटे निकालने लगा।

भिखारी ने मोहन के पांव से काफी कांटे निकाल दिए। फिर भी कुछ कांटे उसके पांव में चुभे ही रह गए। भिखारी ने उसे सहारा देकर खड़ा किया। मोहन ने कहा, मैं घर नहीं जाऊंगा। छाया में बैठकर तलवे के सारे कांटे निकालूंगा, तब घर लौटूंगा।

भिखारी ने कहा, यदि तुम मेरी झोंपड़ी तक चलो, तो मैं तलवे के सारे कांटे निकाल दूंगा। ऐसा लेप लगा दूंगा कि तुम्हारा पांव जल्दी ठीक हो जाएगा। मोहन तैयार हो गया।

भिखारी उसे अपने कंधे का सहारा देकर, झोंपड़ी तक ले आया। फर्श पर एक फटी-पुरानी दरी और कंबल का टुकड़ा बिछा हुआ था। उसी पर उसने मोहन को लिटाया। पानी गरम कर उसका पांव धोया। फिर कांटे निकालकर पैर पर जड़ी-बूटी का लेप कर दिया। मोहन को लेप से बहुत राहत मिली और वह सो गया।

भिखारी ने अपने थैले से भीख में मिले चावल निकाले और खिचड़ी बनाई। फिर गांव जाकर दूध ले आया। उसने मोहन को खिचड़ी खिलाकर पीने के लिए दूध गरम करके दिया। मोहन को अब उस भिखारी को बुड्ढा कहने में शर्म आई। उसने भिखारी को 'दादा' कहकर पुकारा। दादा शब्द सुनकर भिखारी की आंखों से आंसू झरने लगे। मोहन ने चकित होकर पूछा, तुम रो क्यों रहे हो?

नहीं बेटा, कोई बात नहीं है। मैं तीस वर्षों से यहां अकेला पड़ा हूं। तुमने मुझे दादा कहा, तो मेरा दिल भर आया। भिखारी बोला।

नहीं दादा, अब तुम्हें भीख मांगने की जरूरत नहीं होगी। मैं तुम्हें खिलाऊंगा। मोहन बोला।

भिखारी हंसकर चुप हो गया। शाम होने जा रही थी। भिखारी ने उसके पांव का लेप गरम पानी से धो दिया। अब उसके पांव में एक भी कांटा नहीं था। इसके बाद भिखारी उसे गांव तक छोड़ने आया। मोहन दौड़कर घर गया और रोटी तथा सब्जी लेकर आया। कहा, दादा, इसे रात में खाना। मैं कल सुबह आऊंगा।

भिखारी घर लौट आया। वह सोच रहा था कि मोहन कितना अच्छा लड़का है।

मोहन दूसरे दिन उठा और एक किसान से बोला, यदि आपको मजदूर की जरूरत हो, तो मैं काम करने के लिए तैयार हूं। किसान को एक मजदूर की जरूरत तो थी, मगर वह मोहन को एक शरारती बच्चे के रूप में जानता था। वह मोहन से बोला, तुम्हें शरारत से फुरसत मिलेगी, तभी तो काम करोगे। मुझसे आज काम लेकर देखो चाचा, तब पता चलेगा।

ठीक है, चलो काम करो। किसान बोला।

मोहन ने दिन भर मेहनत से काम किया। बदले हुए मोहन को देखकर किसान बहुत चकित था। उसने मोहन को तीन सेर चावल मजदूरी में दिए।

मोहन चावल लेकर भिखारी की झोंपड़ी में जा पहुंचा। भिखारी खाना बनाने की तैयारी कर रहा था। उसने जब चावल देखे, तो बोला, मोहन बेटा! ये ले जाकर अपनी मां को दो। मेरा गुजारा तो भगवान चला ही रहा है।

नहीं दादा! ये चावल तुम रखो। ये मैंने दिन भर मजदूरी करके कमाए हैं। तुम नहीं रखोगे, तो मैं कल से मजदूरी नहीं करूंगा और शरारतें करने लगूंगा।

उस दिन से मोहन बहुत बदल गया। अब वह हर एक की मदद करने की कोशिश करता। गांव के सब लोग उसकी खूब तारीफ करते।

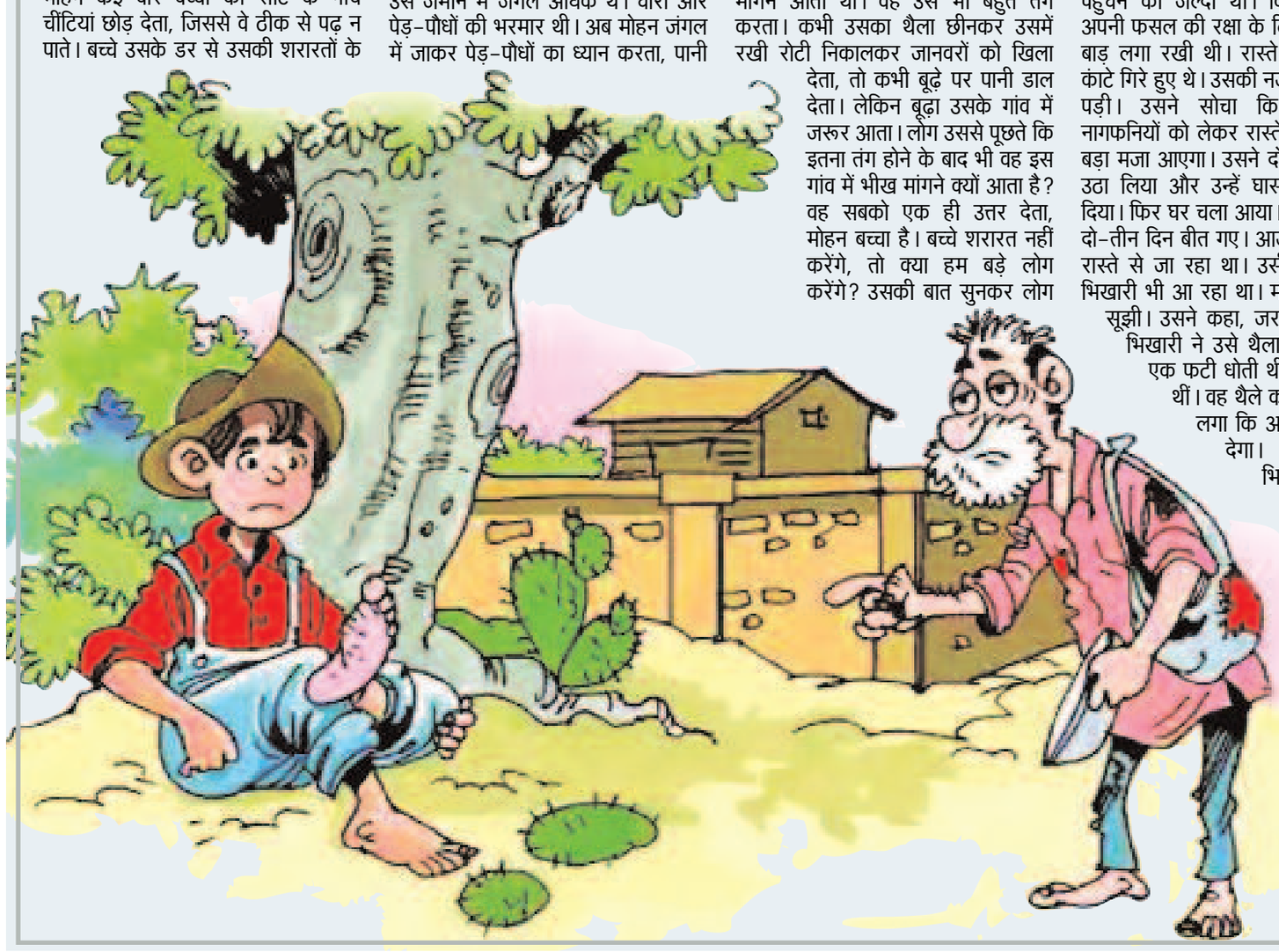

बाबिल खान ने बताया, जसलीन रॉयल संग क्यों करना चाहते थे काम

अभिनेता बाबिल खान ने बताया कि वह गायिका जसलीन रॉयल के म्यूजिक वीडियो 'दस्तूर' में काम करना चाहते थे। बाबिल ने इसके पीछे कि वजह भी बताई और रॉयल के आवाज की खूब तारीफ भी की। दिवंगत स्टार इरफान खान के बेटे बाबिल ने इंस्टाग्राम पर 'दस्तूर' म्यूजिक वीडियो के कुछ पलों की तस्वीरें शेयर कीं। बाबिल ने बताया कि रॉयल के साथ म्यूजिक वीडियो मिलने पर हर कोई खुश था। उन्होंने कैप्शन में लिखा, जब जसलीन मेरे साथ म्यूजिक वीडियो करना चाहती थीं, तो हर कोई बहुत खुश था। हालांकि, वह एक स्टार हैं और मैं अभी सफर पर हूं। उन्होंने लिखा, मैं उन्हें तब से जानता हूं जब वह यूट्यूब पर वीडियो बनाती थीं। मुझे उनकी आवाज पसंद है। उनके गाने सुनकर अच्छा लगता है और परेशानियां भी हल्की होती दिखती हैं। मैंने म्यूजिक वीडियो में उनके साथ काम इसलिए किया, क्योंकि जसलीन के पास ऐसी आवाज है, जो बहुत खास है। बाबिल की पोस्ट पर कमेंट करते हुए जसलीन रॉयल ने लिखा, इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के लिए शुक्रिया सुपरस्टार। यह हमेशा खास रहेगा। अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद बाबिल ने बॉलीवुड फिल्म 'करीब करीब सिंगल' में कैमरा असिस्टेंट के तौर पर शुरुआत की थी। साल 2022 में उन्होंने तृप्ति डिमरी के साथ अन्विता दत्त की साइको- ड्रामा 'काला' से अपने अभिनय की शुरुआत की थी। इसके बाद वह 'फाइडे नाइट प्लान' में नजर आए, जिसमें उनके साथ जूही चावला हैं। इसके बाद अभिनेता भोपाल गैस त्रासदी पर आधारित सीरीज 'द रेलवे मेन' में नजर आए। बाबिल की अपकमिंग फिल्म अमिताभ बच्चन के साथ शूजित सरकार की 'द उमेश क्रॉनिकल्स है'।

कीर्ति कुल्हारी के पिंक में नजरअंदाज किए जाने वाले बयान पर तापसी ने दी प्रतिक्रिया

कुछ दिनों पहले अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी ने यह दावा किया था कि फिल्म 'पिंक' के प्रमोशन के दौरान उन्हें नजरअंदाज किया गया था। कीर्ति कुल्हारी के इस दावे पर अब फिल्म 'पिंक' की मुख्य अभिनेत्री तापसी पन्नू ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

मुझे कैसे पता चलेगा

बातचीत के दौरान तापसी ने इस बारे में अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, मुझे कैसे पता चलेगा? उसे जो महसूस होता है, उसे महसूस करने का पूरा अधिकार है। मैं आखिरी व्यक्ति होऊंगी जो किसी को बताए कि आप जो महसूस कर रहे हैं वह गलत है। अगर किसी ने कुछ महसूस किया है, तो मुझे यकीन है कि इसके पीछे कोई कारण होगा।

मुझे पता होता तो बात करती

तापसी ने इस पूरे मामले पर आगे कहा, उसने अपनी आवाज उठाई, जो उसकी मर्जी है। अगर मुझे पता होता कि कीर्ति उस वक्त किसी भी तरह से नजरअंदाज किए जाने जैसा महसूस कर रही है, तो मैं उस समय उससे बात करना पसंद करती है और पूछती कि क्या मैं इसे बेहतर बनाने के लिए कुछ कर सकती हूं। अफसोस, मुझे नहीं पता चला, उसे उस वक्त कोई समस्या है। इसलिए मुझे नहीं पता अब क्या करना चाहिए। मैं उनकी भावनाओं को खारिज नहीं कर सकती। तापसी ने ये भी बताया कि वो और कीर्ति दोस्त नहीं हैं, लेकिन प्रोफेशनल स्तर पर दोनों के अच्छे संबंध हैं।

मेरे लिए कुछ भी नहीं बदला

कीर्ति के साथ अपने रिश्तों पर तापसी ने कहा, उसने हमारे रिश्ते या स्थिति को एक निश्चित तरीके से देखा, इसलिए शायद उसने मुझसे दूरी महसूस की। मैंने हमेशा उसके साथ पेशेवर रवैया अपनाया और अब भी रखती हूं। मैंने उसके साथ मिशन मंगल में भी काम किया है और मुझे नहीं लगता कि पेशेवर तौर पर मेरे लिए कुछ बदला है, क्योंकि जहां से मैंने देखा, मुझे कोई असमानता नहीं दिखी। इसलिए, मेरे लिए, यह वही लड़की थी जिसके साथ मैंने पिंक में काम किया था।

पीआर मशीनरी पर की थी कीर्ति ने बात

कीर्ति ने हाल ही में पीआर मशीनरी के बारे में बात की थी और पिंक के ट्रेलर में अपनी कम भूमिका पर बात करते हुए कहा था, मैंने देखा कि ट्रेलर में मुख्य रूप से तापसी और मिस्टर बच्चन थे। यह मेरे लिए पहला झटका था, क्योंकि मुझे पता है कि मैंने फिल्म में क्या किया है। शूजित ने मुझसे कहा था, 'इसकी चिंता मत करो, फिल्म को आने दो।' मैं कभी पीआर नहीं करती। मुझे विश्वास है कि मेरा काम आखिरकार देखा जाएगा।

ओटीटी पर रिलीज होने के लिए तैयार धनुष निर्देशित नीक

फिल्म धनुष द्वारा निर्देशित फिल्म निलावुकु एनमेल एन्नाडी कोबाम (नीक) बॉक्स ऑफिस पर ड्रैगन के साथ टकराई थी। अच्छी समीक्षाओं के बावजूद नीक बॉक्स ऑफिस पर व्यावसायिक रूप से फ्लॉप रही। फिल्म को तेलुगु में जबिलाम्मा निकु अंता कोपामा के नाम से रिलीज किया गया था, लेकिन यह कमाल दिखने में नाकामयाब हुई। नीक अब अपने डिजिटल डेब्यू के लिए पूरी तरह तैयार है। धनुष ने इसके ओटीटी रिलीज डेट का खुलासा किया। धनुष ने अपने सोशल मीडिया पर खुलासा किया कि फिल्म 21 मार्च को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। फिल्म के अन्य डब संस्करण का प्रीमियर भी भी 21 मार्च को ही प्राइम वीडियो पर होगा।

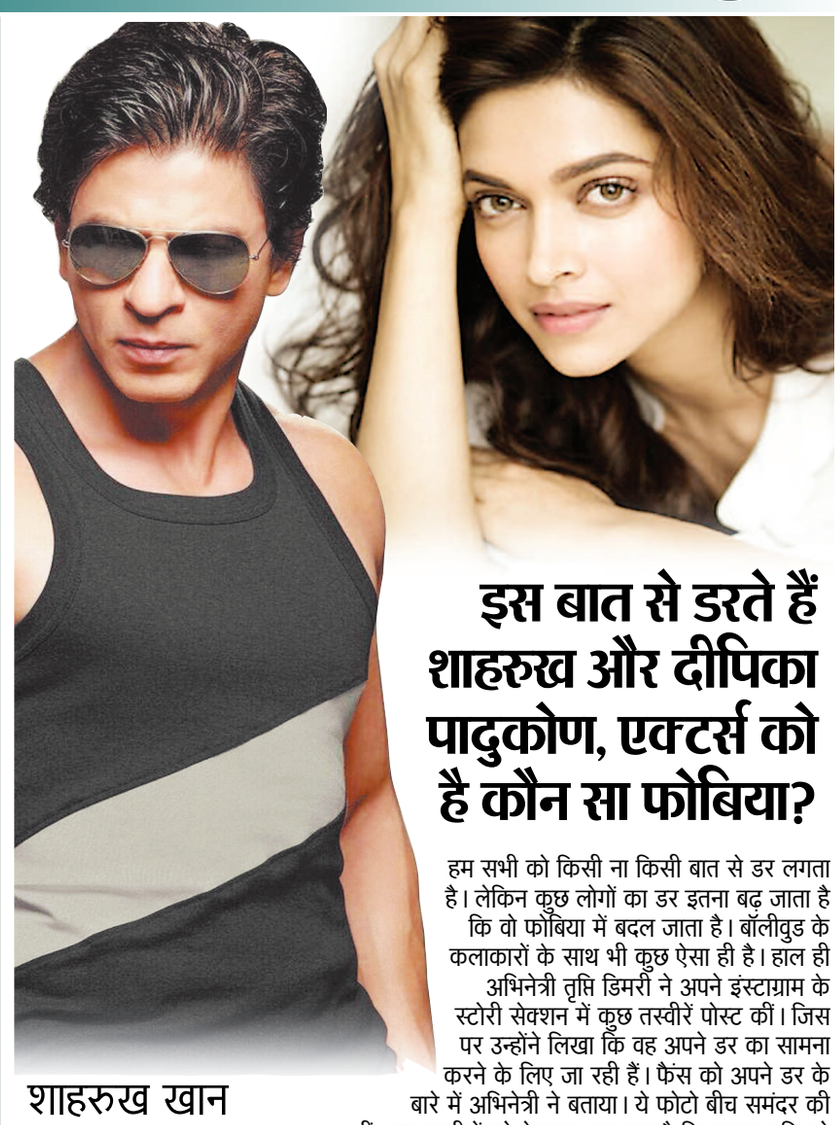

इस बात से डरते हैं शाहरुख और दीपिका पादुकोण, एक्टर्स को है कौन सा फोबिया?

हम सभी को किसी ना किसी बात से डर लगता है। लेकिन कुछ लोगों का डर इतना बढ़ जाता है कि वो फोबिया में बदल जाता है। बॉलीवुड के कलाकारों के साथ भी कुछ ऐसा ही है। हाल ही अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने अपने इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। जिस पर उन्होंने लिखा कि वह अपने डर का सामना करने के लिए जा रही हैं। फैंस को अपने डर के बारे में अभिनेत्री ने बताया। ये फोटो बीच समंदर की थीं। इन तस्वीरों को देखकर लग रहा है कि शायद तृप्ति को समंदर में जाने से डर लगता है। ऐसे में वह इस डर को दूर करना चाहती हैं। कई और कलाकार भी हैं जिनको किसी ना किसी बात से डर लगता है।

शाहरुख खान

शाहरुख खान ने कई इंटरव्यू में इस बात का जिक्र किया है कि उन्हें घुड़सवारी करने से डर लगता है। वह 'करण-अर्जुन' फिल्म की शूटिंग के दौरान घोड़े से गिर गए थे, जिससे उन्हें चोट आई। इसी तरह फिल्म 'अशोक' के दौरान भी शाहरुख खान को घुड़सवारी करने में काफी समस्या आई। इस वजह से वह घोड़े वाले सीन फिल्मों में खुद नहीं करते हैं, इसके लिए शाहरुख खान का बॉडी डबल इस्तेमाल किया जाता है।

दीपिका पादुकोण

दीपिका पादुकोण को नेचर से बहुत प्यार है, वह नेचर के बीच रहना पसंद करती हैं। लेकिन उनको सांप से डर लगता है। इस वजह से वह फिल्मों में ऐसे सीन्स भी नहीं करती हैं, जिसमें सांप दिखाए जाते हों।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट को अंधेरे से डर लगता है। वह अंधेरे में घबरा जाती हैं। वह रात को जब सोती हैं तो डिम लाइट जलाकर रखती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो आलिया को बचपन में बहन ने एक कमरे में बंद कर दिया था, इस कारण उनके मन में अंधेरे को लेकर डर पैदा हो गया।

रणबीर कपूर

रणबीर कपूर को किसी बड़ी चीज से डर नहीं लगता है। वह तो कॉकरोच से डरते हैं। अगर कहीं कॉकरोच दिख जाए तो रणबीर कपूर वहां से दूर हो जाते हैं। रणबीर कपूर ऐसे अकेले नहीं हैं, जिनको कॉकरोच से डर लगता है, कई लोगों के मन में ऐसा डर बसा होता है, छोटे जीव-जंतु देखकर उनकी चींख निकल जाती है।

जायद खान बोले- 'जो कुछ भी हूं फिल्म 'मैं हूं ना' के कारण हूं'

राजस्थान के जयपुर में कुछ दिन पहले आईफा अवॉर्ड आयोजित हुए थे। इस अवॉर्ड फंक्शन में सितारों की महफिल जमीं, गायक से लेकर अभिनेता तक सभी लोग शामिल हुए। इस आयोजन में अभिनेता जायद खान ने भी बातचीत की।

आईफा से जुड़ी है बीस साल की यात्रा

जायद खान कहते हैं, 'आईफा में आकर ऐसा लग रहा है कि एक उम्र ही गुजर गई है। मैं इस अवॉर्ड फंक्शन से 20-21 साल से जुड़ा हूं। मेरा पहला आईफा 2005 में साउथ अफ्रीका में था। चलते-चलते बीस साल निकल गए लेकिन हम खुश हैं कि आईफा जयपुर में आयोजित हुआ। जयपुर की इतिहास के पन्नों में खास जगह है। सच में यहां आकर बहुत अच्छा लगा।'

फिल्म 'मैं हूं ना (2004)' के बारे में भी जायद खान बात करते हैं। यह फिल्म उनके करियर की हिट और खास फिल्म रही है। इसमें उन्होंने लकी का किरदार निभाया था, फिल्म में शाहरुख खान, सुष्मिता सेन जैसे कलाकार भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आए। फिल्म के बारे में जायद कहते हैं, 'मैं जो हूं, फिल्म 'मैं हूं ना' के कारण हूं और आगे भी रहूंगा।'

आने वाली फिल्म का जिक्र भी किया

जायद खान को दर्शक दोबारा बड़े पर्दे पर कब देख पाएंगे? इस सवाल पर जायद का कहना है कि वह अभी इस बारे में कुछ बता नहीं सकते हैं कि कब तक फिल्मों में नजर आएंगे। लेकिन अभिनेता ने इतना जरूर बताया कि उनके पास इस साल एक फिल्म है।

ऑडियंस कलेक्शन के बजाय फिल्म अच्छी या बुरी पर फोकस करे

अभिषेक बच्चन को इंडस्ट्री में तकरीबन 25 साल होने आए हैं। बीते कुछ समय से वह अपनी भूमिकाओं के मामले में लगातार प्रयोग करते जा रहे हैं। बिग बुल और ब्रीद 2 में उनका काम सराहा गया, तो बॉब बिस्वास, दसवीं, घूमर और आई वांट टू टॉक में उनके किरदारों के अलहदा रंग देखने को मिले। इन दिनों वह अपनी ओटीटी पर रिलीज हुई होने फिल्म बी हैपी को लेकर चर्चा में हैं। उनसे एक खास बातचीत।

अपनी पिछली फिल्म आई वांट टू टॉक के बाद अपनी इस फिल्म में भी आप एक पिता की भूमिका में हैं, तो आपके लिए असल जीवन में आराध्या का पिता होना कितना काम आया?

अंत में देखा जाए, तो हम सभी एक्टर हैं। हमारा काम है एक्टिंग करना। मैंने पुलिस अफसर, नेता, चोर, कॉन्ट्रैक्ट किलर जैसे कई रोल किए हैं, मगर मैं इनमें से कुछ भी नहीं हूं, तो मेरे कहने का अर्थ ये है कि हमें उन किरदारों में ढलना पड़ता है, मगर हां असल जीवन में मैं एक पिता हूं, तो मैं पिता के उस इमोशन को समझ पाया। उस किरदार को निभाने में आसानी हो जाती है, मगर फिर फिल्म और वास्तविक जीवन की सिचुएशन अलग-अलग होती है।

सदी के महानायक कहलाने वाले आपके पिता अमिताभ बच्चन हमेशा आपके लिए एक चीयरलीडर रहे हैं, वह इंडस्ट्री के दूसरे एक्टर्स का भी उत्साह वर्धन करते रहते हैं, आपके लिए उनकी प्रतिक्रिया कितनी मायने रखती है?

बहुत मायने रखती है। आपने कहा कि वह सदी के महानायक हैं और मैं उनका सबसे बड़ा फैन हूं। वह मेरे हीरो हैं और जब आपका हीरो आपको सराहे, तो अच्छा लगना स्वाभाविक है। वह इतने सीनियर हैं। उन्होंने इतना कुछ किया है, देखा है और इसके बावजूद वह आपके काम के लिए आपको कुछ अच्छा बोल रहे हैं, तो खुशी तो होगी ही। ऐसा वह सिर्फ मेरे काम के लिए नहीं करते, इंडस्ट्री के दूसरे लोगों के लिए भी करते हैं, तो बहुत अच्छा लगता है।

आम तौर पर एक्टर्स भूमिकाओं के मामले में एक सेफ फिल्म करना चाहते हैं, आप लगातार बॉब बिस्वास, दसवीं, घूमर और आई वांट टू टॉक जैसी लीक से हटकर फिल्में करने का साहस या दुस्साहस कैसे कर पाते हैं?

सच कहूं, तो मुझे तो ये सारी फिल्में सेफ ही लगी हैं। सेफ फिल्म वही होती है, जो आपके दिल को छुए। ये जितनी भी कहानियां हैं, इन्होने मेरे दिल को छुआ है। एक कलाकार अगर अपने दिल की बात नहीं सुनेगा और सिर्फ दिमाग के हिसाब से चलेगा, तो बहुत जल्दी वो अपने काम से डिस्कनेक्ट हो जाएगा। हम कलाकार इमोशनल काम करते हैं। आप अगर कोई फिल्म देखने जाते हैं, तो पूछा जाता है कि फिल्म अच्छी लगी या बुरी? कोई ये नहीं पूछता कि बुरी क्यों लगी? क्योंकि यह एक फीलिंग है। तो काम ऐसे ही चुनना चाहिए कि क्या उस कहानी ने आपको छुआ और क्या आप वो फिल्म देखना चाहेंगे? दोनों के जवाब अगर हां हैं, तो आपको वो फिल्म करनी चाहिए।

छावा को अपवाद मान लिया जाए, तो हाल-फिलहाल बॉक्स ऑफिस पर फिल्में नहीं चल पा रही हैं। आप इस पर क्या कहना चाहेंगे?

मैं आपकी बात से सहमत नहीं हूं। पिछले 12 महीने में 3-4 फिल्में ऐसी जरूर आई हैं, जिन्होंने 500 करोड़ किए हैं। देखिए जब फिल्में आएंगी, तो उसमें से कुछ चलेंगी कुछ नहीं चलेंगी। ये सदियों से चला आ रहा है और हम लोगों को अपना काम ही करना है। एक चीज जो मुझे नापंसद है, वो ये कि आजकल दर्शक कलेक्शन की जानकारी लेने में ज्यादा रुचि दिखाते हैं। हम जब छोटे थे, तब हमने कभी नहीं पूछा कि अमर अकबर एंथनी की कलेक्शन कितनी थी? हम पूछते थे, फिल्म हिट है या फ्लॉप? अच्छी है या बुरी? मुझे लगता है, फोकस वहीं लौट जाना चाहिए। आजकल मीडिया ने भी ये बहुत ज्यादा चला दिया है कि इसके कलेक्शन ये हैं, वो हैं। हम भी तो यही करते हैं। हम लोग भी तो सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हैं न कि इतने कलेक्शन हमने किए हैं। देखिए, कलेक्शन तो इंडस्ट्री की बात है, पिक्चर अच्छी है या नहीं, इस पर बात होनी चाहिए। आपको बिजनेस से क्या लेना-देना? आपको बस इतना देखना होगा कि आपको फिल्म अच्छी लगी या नहीं?

आज इंटरनेट के जमाने में आपको नहीं लगता कि सभी के पास ओवर इन्फॉर्मेशन हो गई है? सोशल मीडिया के दौर को कैसे देखते हैं?

मैं तो सोशल मीडिया पर ज्यादा नहीं रहता। सोशल मीडिया का ट्रेंड हो गया आजकल, मगर मैं इसमें यकीन नहीं करता। मैं एक अभिनेता के तौर पर कह सकता हूं कि अंत में वही मायने रखेगा, जो आप बड़े पर्दे पर करेंगे। आप भले दस हजार सेल्फी पोस्ट कर लो, उससे कुछ नहीं होने वाला। लोग आकर आपकी फिल्म नहीं देखने वाले।

आपकी फिल्म का नाम बी हैपी है, आपके लिए खुशी की परिभाषा क्या है?

मुझे अपने काम से बहुत खुशी मिलती है। जब मैं कैमरे के सामने होता हूं, तो बहुत खुश होता हूं। उसी तरह जब मैं परिवार के साथ होता हूं, तो वो मुझे एक अलग खुशी देता है।

री-रिलीज के इस दौर में आप अपनी कौन-सी फिल्म री-रिलीज करना चाहेंगे?

मैं कभी अलविदा न कहना को री-रिलीज करना चाहूंगा, क्योंकि 2006 में जब वो फिल्म आई थी तब मुझे लगता है कि करण (करण जौहर) की वो फिल्म अपने समय से काफी आगे थी। आज कल की जो पीढ़ी है, वो इस फिल्म को समझ पाएगी। दूसरी फिल्म मैं कहूंगा, दिल्ली 6, जो मैं दोबारा रिलीज होते हुए देखना चाहूंगा।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अमृता आर पंडित द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, बी- 868, न्यू अशोक नगर दिल्ली 110096 से मुद्रित तथा ए-115, गली नंबर 13, नई अशोक नगर, दिल्ली 110096 से प्रकाशित।
संपादक - अमृता आर पंडित, मो 8587969284, Mail ID - live18newsnetworktv@gmail.com सभी विवादों के न्याय क्षेत्र दिल्ली न्यायालय में होगा।